PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ, बुधवार, 23 सितंबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

Aligarh News: ट्रेन में तबीयत बिगड़ी, भाजपा नेता की मौत

दिल्ली से हमसफर एक्सप्रेस में सफर कर रहे बलरामपुर भाजपा के सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र शुक्ल की बुधवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। अलीगढ़ स्टेशन पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। परिजन बिना किसी कार्रवाई के शव को लेकर बलरामपुर रवाना हो गए। बलरामपुर देहात कोतवाली क्षेत्र के खरहरिया निवासी 68 वर्षीय हरिश्चंद्र शुक्ल रक्षा मंत्रालय में कार्यरत थे। वर्ष 2018 में सेवानिवृत्त होने के बाद वह दिल्ली स्थित आवास पर रह रहे थे। बुधवार को वह पत्नी, भाई शत्रुघ्न प्रसाद शुक्ल समेत अन्य परिजनों के साथ हमसफर एक्सप्रेस से पैतृक गांव जा रहे थे। गाजियाबाद स्टेशन पार करने के बाद ट्रेन में उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने रेलवे स्टाफ को सूचना दी। इसके बाद रेलवे चिकित्सक अलीगढ़ स्टेशन पर पहुंचे। ट्रेन के पहुंचने पर चिकित्सक ने जांच के बाद हरिश्चंद्र शुक्ल को मृत घोषित कर दिया।जीआरपी प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि परिजन शव को बिना किसी कार्रवाई के ही बलरामपुर ले गए।

Aligarh News: हॉर्स राइडिंग क्लब की जमीन की सुनवाई आज

हॉर्स राइडिंग क्लब की 41 बीघा जमीन के विवाद की सुनवाई उपजिलाधिकारी कोल की अदालत में चल रही है। मंगलवार को इसमें सुनवाई होनी थी, लेकिन अधिवक्ताओं की व्यस्तता के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस प्रकरण में बुधवार को सुनवाई होगी। उपजिलाधिकारी कोल डॉ. गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि मंगलवार को अधिवक्ताओं की व्यस्तता अधिक थी, इसलिए इस प्रकरण में बुधवार की तारीख नियत की गई है। गौर हो कि शहर के इस चर्चित प्रकरण में एएमयू और नगर निगम दोनों आमने-सामने हैं। एएमयू इस भूमि पर अपना स्वामित्व बता रहा है, वहीं नगर निगम प्रशासन इसमें अपनी दावेदारी कर रहा है। इस 41 बीघा जमीन की बाजार की कीमत लगभग 500 करोड़ रुपये आंकी गई है। एएमयू के छात्रों ने विवि की दावेदारी के समर्थन में प्रदर्शन भी किया था।

Aligarh News: सिगरेट के रुपये मांगे तो दुकानदार को पीटा

देहली गेट क्षेत्र के मुश्ताक नगर में सोमवार रात दो बाइकों पर पहुंचे चार युवकों ने पहले बसंतलाल की दुकान से सिगरेट खरीदी और पैसे मांगने पर दुकानदार से गाली-गलौज व मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान एक युवक ने पिस्टल से फायर कर दिया। गोली किसी को नहीं लगी। आसपास के लोगों के पहुंचने पर आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। सीओ संजीव कुमार के मुताबिक दुकानदार की तहरीर पर पुलिस ने मुशरेफ और सुहैल समेत दो अज्ञात युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपियों की तलाश के साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

Aligarh News: प्रेम विवाह के तीन माह बाद महिला की मौत, हत्या का आरोप

बन्ना देवी थाना क्षेत्र के ऊदला गांव में मंगलवार को 21 वर्षीय शाहीन की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। मायके पक्ष ने ससुरालियों पर हत्या कर शव फंदे पर लटकाने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। महिला ने करीब तीन माह पहले ही गांव के युवक से प्रेम विवाह किया था। रोरावर क्षेत्र के जलालपुर निवासी शाहीन ने तीन माह पहले ऊदला गांव निवासी अलीमुद्दीन से प्रेम विवाह किया था। परिजनों के मुताबिक विवाह के कुछ समय बाद से दंपती के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद होने लगा था। मंगलवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके कुछ देर बाद शाहीन का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने उसे देखा तो घर में अफरातफरी मच गई। शाहीन के मायके वाले भी ऊदला पहुंच गए। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ सृष्टि जैन ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में महिला के फंदे पर लटककर आत्महत्या करने की बात सामने आई है। मायके पक्ष की ओर से हत्या का आरोप लगाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अलीगढ़: दुबे का पड़ाव चौराहे पर मां-बेटे और ट्रैफिक पुलिस में भिड़ंत, हाथापाई, लगा लंबा जाम

जाम में फंसकर लोगों का हाल-बेहाल

दुबे का पड़ाव चौराहे पर मंगलवार दोपहर की घटना से चौतरफा भीषण जाम लग गया। कुछ ही देर में रामघाट रोड स्थित फ्लाईओवर, आगरा रोड, नारंगाबाद, पुराना स्टैंड रोड पर वाहनों की लंबी-लंबी कतार लग गई। जाम में फंसे वाहन चालक भीषण गर्मी में बेहाल नजर आए। करीब एक घंटे बाद यातायात सामान्य हो सका।

बाइक सवार मां-बेटे ने ट्रैफिक पुलिस और होमगार्ड से बहसबाजी और बदसलूकी की है। पुलिस के पास सीसीटीवी फुटेज और वीडियो उपलब्ध हैं जिसमें साफ नजर आ रहा है कि उन्होंने सरकारी काम में बाधा डाली। मामले की जांच कराई जा रही है। **-आदित्य बंसल, एसपी सिटी**

अलीगढ़ के दुबे का पड़ाव चौराहे पर मंगलवार दोपहर बाइक सवार डीएस कॉलेज छात्र हर्षवर्धन और उसकी मां कुसुम को ट्रैफिक पुलिस ने रोका। बहस हाथापाई में बदल गई। अलीगढ़ के दुबे का पड़ाव चौराहे पर मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे बाइक सवार मां-बेटे को ट्रैफिक पुलिस और होमगार्ड ने रोक लिया। यहां युवक की ट्रैफिक पुलिस से बहस हो गई जो कुछ ही देर में हाथापाई में बदल गई। युवक ने फोन करके अपने साथियों को बुला लिया जिससे चौराहे पर हंगामा की स्थिति पैदा हो गई। लंबा जाम भी लग गया। युवक का आरोप है ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने उसे चांटा भी मारा, हालांकि पुलिस बात को नकार रही है। स्वर्ण जयंती नगर के रहने वाले हर्षवर्धन कुमार डीएस कॉलेज में बीए एलएलबी तृतीय वर्ष के छात्र हैं। मंगलवार को वह अपनी माता कुसुम के साथ बाइक से अपनी बीमार बहन को देखने अस्पताल गए थे। हर्षवर्धन के अनुसार, वापसी में दुबे का पड़ाव चौराहे पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें बाईं तरफ जाने से रोका। वजह पूछने पर अभद्रता की। विरोध करने पर मारपीट करने करने लगे। इसके बाद उन्होंने अपने कॉलेज के साथियों को मौके पर बुलाया जिसके बाद हंगामा और बढ़ गया। चौराहे पर वाहनों के रुकने से लंबा जाम लग गया। एएसपी सृष्टि जैन मौके पर पहुंची और मां-बेटे और अन्य छात्रों को समझाकर शांत कराया। छात्रों का आरोप था कि चौराहे पर तैनात ट्रैफिक पुलिस और होमगार्ड के जवान आए दिन लोगों से अभद्रता करते हैं। गलत तरीके से चालान करते हैं। छात्रों ने ये भी बताया कि ट्रैफिक पुलिस कर्मी और होमगार्ड ने मारपीट में हर्षवर्धन के कपड़े भी फाड़ दिए। घटना की जांच और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। एएसपी ने शिकायत के बाबत तहरीर और मोबाइल से रिकॉर्ड वीडियो साक्ष्य उपलब्ध कराने पर जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस मामले में एसपी सिटी ने मां-बेटे पर ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक पुलिस और होमगार्ड से बहसबाजी और बदसलूकी का आरोप लगाया है। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जांच कराने की बात कही है।

Aligarh News: नोएडा के इंटरनेशनल ट्रेड शो में चमक बिखेरेगा अलीगढ़ का आलू

जिले का आलू ग्रेटर नोएडा के इंटरनेशनल ट्रेड शो में अपने स्वाद, आकार और रंग का जलवा बिखरेगा। आलू निर्यातक एफपीओ को वहां 100 वर्गमीटर का स्टॉल आवंटित किया गया है। जिसमें आलू की लेडी रोसेटा, चिप्सोना, फ्राईओम, फ्राईसोना, कुफरी सूर्या किस्मों को प्रदर्शित किया जाएगा। पूरे यूपी से आलू का यह एकमात्र स्टॉल होगा। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में इस इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 80 देशों के उद्यमी शामिल होंगे। रूस, सिंगापुर, वियतनाम और ऑस्ट्रिया साझीदार के रूप में शामिल होंगे। एग्री शाइन एफपीओ के संचालक जितेंद्र अवस्थी ने बताया कि इस ट्रेड शो से आलू के निर्यात के रास्ते खुलेंगे। उन्होंने बताया कि लेडी रोसेटा किस्म का आलू विदेशों में मटन और चिकन के साथ परोसा जाता है। यह थोड़ा सख्त होता है, इसलिए वहां इसे नॉनवेज डिश के साथ बड़े चाव से खाया जाता है। चिप्सोना, फ्राईओम, फ्राईसोना, कुफरी सूर्या किस्मों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इससे स्थानीय किसानों को भी आय का एक और माध्यम मिल सकेगा। उपायुक्त उद्योग एसपी यादव ने बताया कि इस शो में आलू के साथ हार्डवेयर, ताला, मूर्तियां और अन्य उत्पादों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

Aligarh News: महिला से दुष्कर्म के आरोपी ऑटो चालक को जेल भेजा

महुआ खेड़ा क्षेत्र में देर रात ऑटो में बैठी महिला यात्री को सुनसान स्थान पर ले जाकर दुष्कर्म किए जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी ऑटो चालक अजय उर्फ बाबा निवासी नगला डालचंद को जेल भेज दिया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल ऑटो भी बरामद कर लिया है। मामले में शामिल बताए जा रहे दूसरे आरोपी कृष्णा की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। गौरतलब है कि महिला रविवार की देर रात करीब साढ़े 11 बजे बेलौन वाली देवी के दर्शन कर लौटी थी। सूत मिल से ऑटो लेकर मसूदाबाद पहुंची। वहां से वह बाबा कॉलोनी में रहने वाली अपनी सहेली के घर जाने के लिए दूसरे ऑटो में सवार हुई। आरोप है कि ऑटो चालक और उसके साथी ने महिला को उसके गंतव्य तक ले जाने के बजाय ऑटो सुनसान रास्ते की ओर मोड़ दिया। रात करीब एक बजे उसे खाली मैदान में ले जाकर वहां एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया, जबकि दूसरा बाहर खड़ा होकर निगरानी करता रहा। सीओ सर्वम सिंह के मुताबिक अजय के खिलाफ पहले से पांच केस दर्ज हैं। इनमें क्वार्सी और अतरौली थानों में दो-दो मामले शामिल हैं। मंगलवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

Aligarh News: गणपति बप्पा अगले बरस तुम जल्दी आना...

गिलहराज जी मंदिर में हुआ सुंदरकांड पाठ : श्री गिलहराज जी हनुमान मंदिर में महंत योगी कौशलनाथ के नेतृत्व में परिवर्तिनी एकादशी पर सुंदरकांड पाठ और भजन संध्या हुई। श्री गणेश मंदिर में महंत विनयनाथ के नेतृत्व में गणेश चतुर्थी के दसवें दिन फूल बंगला और छप्पन भोग के दर्शन के लिए दिनभर भीड़ रही। शाम को वृंदावन के भजन गायक मुकुल द्विवेदी ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया.. के जयकारों के साथ मंगलवार को शहर के विभिन्न पूजा पंडालों से भगवान गणेश की विसर्जन शोभायात्रा निकाली गईं। भक्त ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने के बाद उनकी प्रतिमाओं को बैंड-बाजों के साथ विसर्जन के लिए ले गए। इस दौरान भक्त गुलाल उड़ाते हुए भजनों पर झूमते नजर आए। गणेश प्रतिमाओं को गंगा घाटों और नहरों में विसर्जित किया गया। इस दौरान गणपति बप्पा अगले बरस तुम जल्दी आना की गूंज सुनाई दी। हरिनाम संकीर्तन में देर रात तक झूमे भक्त : श्री गणेश महोत्सव सेवा समिति की ओर से वार्ष्णेय मंदिर में चल रहे गणेश पूजा महोत्सव में मंगलवार शाम हरिनाम संकीर्तन हुआ। श्री गौर गोविंद जगन्नाथ गौड़ीय मठ के संकीर्तन में राधा-कृष्ण के भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे। कार्यक्रम की शुरुआत गजानन की विधि-विधान से पूजा के साथ हुई। इसके बाद हरिनाम संकीर्तन शुरू हुआ।

Aligarh News: सीवर लाइन से मकान में आई दरार, धरने पर बैठा परिवार

पुराना छर्रा अड्डा स्थित पंजाबी कॉलोनी में सीवर लाइन बिछाने के दौरान मकान में दरारें आने के विरोध में मकान मालिक और उसके परिजन मंगलवार को धरने पर बैठ गए। परिवार का आरोप है कि शिकायत के बावजूद नगर निगम का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। उन्होंने मकान का निरीक्षण कराकर नुकसान का आकलन कराने की मांग की। मकान मालिक मुनेश कुमार यादव ने बताया कि उनका चार मंजिला मकान है, जिसमें भूतल पर दूध-मिठाई की दुकान और ऊपरी मंजिलों पर परिवार रहता है। आरोप है कि मकान के सामने सीवर लाइन के लिए गहरी खोदाई के बाद एक पिलर जमीन में धंस गया। इससे दीवारों में दरारें और फर्श बैठने की समस्या आ गई। सुरक्षा के मद्देनजर परिवार और दुकान को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। मुनेश ने करीब 50 लाख रुपये के नुकसान का दावा करते हुए मकान सुरक्षित होने तक काम रोकने की मांग की।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि सीवर लाइन का काम करीब एक माह से चल रहा है। शिकायत पर सहायक नगर आयुक्त तपस्या यादव के नेतृत्व में टीम भेजकर जांच कराई गई है। टीम ने परिजनों से बातचीत की है। समस्या का समाधान कराया जाएगा।

यूपी में चार कत्ल, आरोपी भी ढेर: बीवी-बेटे और दो पुजारियों की हत्या, घर में कैद कातिल भी एनकाउंटर में मारा गया

यूपी का आजमगढ़ जिला चार हत्या से दल उठा। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को भी मुठभेड़ में मार डाला। भाई की आत्मा की शांति के लिए पूजा कराने से नाराज युवक ने इस घटना को अंजाम दिया था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में एक शख्स ने अपने घर पर चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतकों में उसकी पत्नी, बेटा और दो पुजारी शामिल हैं। घर में कैद आरोपी भी मुठभेड़ में मारा गया, जिससे कुल पांच मौतें हुईं।पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि अरविंद नाम के आरोपी ने इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। आरोपी ने अपने अन्य बच्चों को एक कमरे में बंद कर लिया था। पुलिस ने उसे आत्मसमर्पण करने और बच्चों को सुरक्षित छोड़ने के लिए मनाने का प्रयास किया। बातचीत के दौरान पुलिस ने उसके परिवार के सदस्यों की भी मदद ली। लेकिन आरोपी ने पुलिस और अपने परिवार को गोली मारने की धमकी दी। उसने बच्चों को भी जान से मारने की धमकी दी। इसी बीच, उसने अपने ही बेटे को गोली मार दी, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। गोली चलने की आवाज सुनकर पुलिसकर्मी तुरंत कमरे में घुस गए। अंदर घुसते ही आरोपी ने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने आरोपी को चेतावनी दी और हवा में भी गोली चलाई। इसके बावजूद, आरोपी लगातार फायरिंग करता रहा और आत्मसमर्पण नहीं किया। अपनी आत्मरक्षा और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। इस जवाबी कार्रवाई में आरोपी अरविंद गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई।

बेटे की भी हुई मौत, पत्नी और पुजारियों की पहले ही की थी हत्या

इस घटना में आरोपी अरविंद और उसके बेटे दोनों की मौत हो गई। इससे पहले, उसने अपनी पत्नी और दो पुजारियों की भी हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस पूरे मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस घटना के पीछे के कारणों की जांच कर रही है।

यह था पूरा मामला

आजमगढ़ के अहरौला थाना इलाके के शंभूपुर गांव में मंगलवार की देर शाम दिवंगत भाई सुनील सिंह की आत्मा की शांति के उद्देश्य से कराई जा रही पूजा से नाराज अरविंद सिंह ने राइफल से गोलियां बरसाकर अपनी पत्नी बबिता सिंह (40), दो पुजारियों महेंद्र पाठक (42) और अखिलेश मिश्रा (55) की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी बच्चों और परिवार को एक कमरे में बंद करके करीब 8 घंटे तक बैठा रहा। पुलिस बाहर से दरवाजा खुलवाने की अपील करती रही। लेकिन आरोपी ने दरवाजा नहीं खोला।

यूपी: खिड़कियों के शीशों में कंपन, वैष्णवी को तीन झटके; डीजे की तेज आवाज से स्कूल में सात साल की बच्ची की मौत

खिड़कियों के शीशों में कंपन, वैष्णवी को तीन बार झटके

घटना सोमवार की है। सुबह करीब 11 बजे वैष्णवी कक्षा में थी। इसी दौरान तेज आवाज में डीजे बजाते हुए विसर्जन जुलूस निकला। तीन मिनट दो सेकंड के सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि आवाज से बच्ची तीन बार असहज हुई फिर अपनी सीट पर ही लटक गई। इसके बाद शिक्षक उसे अस्पताल ले गए।

स्कूल के प्रबंधक आशीष उपाध्याय और शिक्षिकाओं के अनुसार, डीजे की आवाज इतनी तेज थी कि खिड़कियों के शीशों में कंपन महसूस हो रहा था। बच्ची की मौत ने झकझोरा, शहर में नहीं बजेगा डीजे

बलरामपुर क्षेत्र में सोमवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे की तेज आवाज के दौरान बच्ची की मौत ने शहर को झकझोर दिया है। इसी के बाद मंगलवार को नगर पालिका में सर्व समाज की मौजूदगी में समिति की बैठक हुई। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने सर्वसम्मति से नगर क्षेत्र में डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया।बैठक में धर्मगुरु, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी, धार्मिक समितियों के पदाधिकारी और सभासद शामिल हुए। विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने तेज ध्वनि से होने वाली परेशानियों और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि अत्यधिक तेज आवाज से बीमारों, बुजुर्गों, छोटे बच्चों और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को परेशानी होती है। हाल की दुखद घटना के बाद इस दिशा में सामूहिक पहल जरूरी है।नगर पालिका अध्यक्ष धीरू सिंह ने कहा कि नगरवासियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और शांति सर्वोपरि है। धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में उत्सव की परंपरा के साथ नागरिकों की सुविधा और स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। बैठक में सभी लोगों ने नगर में डीजे की तेज ध्वनि पर प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई। धार्मिक समितियों के प्रतिनिधियों ने इस संबंध में जिला प्रशासन को भी सहमति पत्र सौंपने की बात कही।

बलरामपुर में सोमवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे की तेज आवाज के दौरान एक स्कूल में मासूम बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की मौत ने शहर को झकझोर दिया है। इसके बाद मंगलवार को नगर पालिका में सर्व समाज की मौजूदगी में समिति की बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से नगर क्षेत्र में डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया।बलरामपुर में प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे की तेज आवाज के बीच स्कूल में सात साल की बच्ची की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। बलरामपुर के डिवाइन पब्लिक स्कूल की दूसरी कक्षा की छात्रा वैष्णवी तिवारी बेहोश हो गई। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जिस दौरान उसकी तबीयत बिगड़ी, स्कूल के बगल से गणेश प्रतिमा विसर्जन यात्रा गुजर रही थी और तेज आवाज में डीजे बज रहा था। इस घटना से आहत होकर दो पूजा समितियों के पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। यही नहीं, सर्वसम्मति से नगर क्षेत्र में डीजे बजाने पर प्रतिबंध भी लगा दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया, इसलिए मौत की स्पष्ट वजह सामने नहीं आ सकी। पिता सोनू तिवारी ने बताया कि स्कूल से बेटी की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। बेटी को पहले से कोई बीमारी नहीं थी। सीओ अभिषेक सिंह ने बताया कि परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

यूपी: अधिकतर नए चेहरे पर दांव लगाएगी भाजपा, इन तीन को मिलेगा दोबारा मौका!; इस बार भी पहले जैसा ही जातीय समीकरण

राज्यसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ज्यादातर नए चेहरे पर दांव लगाएगी। उत्तराखंड में बंसल को दोबारा मौका नहीं मिलेगा। बंगाल में भाजपा टीएमसी की बागी रुक्मिणी पर भरोसा जताएगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस बार भी जातीय समीकरण पहले जैसा ही होगा, मगर ज्यादातर चेहरे बदल जाएंगे।उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पूर्व दस सीटों पर होने जा रहे राज्यसभा चुनाव में भाजपा सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए ज्यादातर नए चेहरे पर दांव लगाएगी। उत्तराखंड की इकलौती सीट पर भी भाजपा वर्तमान सांसद नरेश बंसल की जगह राज्य के कद्दावर नेता को उम्मीदवार बनाएगी। उत्तर प्रदेश में पार्टी की योजना वर्तमान आठ सांसदों में से कम से कम पांच सांसदों को दोबारा मौका नहीं देने की है। इनमें से एक दिनेश शर्मा पहले ही उपराज्यपाल बनने के कारण सदस्यता से इस्तीफा दे चुके हैं।पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस बार भी जातीय समीकरण पहले जैसा ही होगा, मगर ज्यादातर चेहरे बदल जाएंगे। वर्तमान में आठ सांसदों में 4 अगड़ा, दो ओबीसी, एक अल्पसंख्यक और एक एससी बिरादरी से हैं।

इस बार भी समीकरण करीब-करीब यही रहेगा। हां, ओबीसी में पैठ बढ़ाने की रणनीति के मद्देनजर यह संख्या दो से बढ़ा कर तीन की जा सकती है। राजपूत बिरादरी के दोनों चेहरे बदले जाएंगे, जबकि ब्राह्मण बिरादरी से भी नए चेहरे को मौका मिलेगा।

तीन को मिल सकता है दोबारा मौका

एससी बिरादरी के पूर्व डीजीपी बृज लाल, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा को दोबारा मौका दिया जा सकता है। पुरी की मध्य एशिया, अमेरिका में अच्छी पकड़ है और उन्हें प्रधानमंत्री का करीबी माना जाता है। इसी प्रकार बृज लाल दलित बिरादरी से तो बीएल वर्मा ओबीसी बिरादरी से हैं। विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत की हैट्रिक लगाने के लिए इन्हीं बिरादरी को साधे रखना चाहती है।

भाजपा जस का तस, सपा को लाभ, बसपा शून्य

विधानसभा में संख्या बल की दृष्टि से राज्य की दस सीटों में से दो सपा को और आठ भाजपा को जाएगी। सपा का प्रतिनिधित्व लोकसभा, विधानसभा के बाद राज्यसभा में भी शून्य हो जाएगा। राज्य में एक सीट जीतने के लिए 37 विधायकों की जरूरत है। तीन निर्दलीय, राजाभैया के दो विधायकों के साथ और राजभर के दो विधायकों के बागी रुख के कारण राजग का संख्याबल 292 है। ऐसे में उसे आठवीं सीट जीतने के लिए चार अतिरिक्त वोट की जरूरत होगी।उत्तराखंड में वर्तमान सांसद नरेश बंसल का कार्यकाल पूरा हो रहा है।पार्टी यहां भी नए चेहरे को मौका देगी। सूत्रों का कहना है कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नेतृत्व की योजना किसी कद्दावर नेता को मैदान में उतारने की है, जिससे चुनाव के समीकरण साधे जा सकें।

राज्यपाल संधू का निर्देश: महिला सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस में बनेगी पिंक फोर्स, 'ऑपरेशन शिष्टाचार' जारी

महिलाओं की सुरक्षा पर जोर देते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को हर सड़क और हर समय सुरक्षित महसूस होना चाहिए।

शिकायतों की होगी डिजिटल निगरानी

जनसुनवाई से जुड़ी शिकायतों के लिए डिजिटल ट्रैकिंग व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए गए। इसके तहत शिकायत मिलने से लेकर उसके निस्तारण तक निगरानी रखने और तय समयसीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। दूसरे विभागों से संबंधित शिकायतों को समय पर संबंधित एजेंसी तक भेजने के भी निर्देश दिए गए।

स्कूलों में बच्चों को जागरूक करेगी पुलिस

उपराज्यपाल ने स्कूलों में पोक्सो, बाल सुरक्षा, साइबर अपराध, नशे और सड़क सुरक्षा को लेकर नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को कहा। प्रत्येक पुलिस जिले में इसके लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने और तिमाही कार्यक्रम तैयार करने के निर्देश दिए गए। पुलिस थानों को स्थानीय स्कूलों और आरडब्ल्यूए के सहयोग से 5 से 15 वर्ष के बच्चों के लिए खेल गतिविधियां आयोजित करने को भी कहा गया।

जीरो-वेस्ट वाली होंगी पुलिस कॉलोनियां

बैठक में पुलिसकर्मियों के कल्याण पर भी जोर दिया गया। पुलिस मुख्यालय में तय समय पर शिकायतों की सुनवाई और निचले स्तर के पुलिसकर्मियों व महिला कर्मियों को समय पर पदोन्नति देने के निर्देश दिए गए। पुलिस कॉलोनियों को मॉडल जीरो-वेस्ट कॉलोनी के रूप में विकसित करने को कहा गया। साथ ही नशा तस्करी के खिलाफ खुफिया सूचना आधारित कार्रवाई, साइबर अपराध से निपटने के लिए थानों की क्षमता बढ़ाने और यातायात जाम वाले स्थानों की निगरानी मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए दिल्ली पुलिस में 'पिंक फोर्स' गठित की जाएगी। इसमें प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मियों की विशेष गश्ती इकाइयां शामिल होंगी। इन इकाइयों को स्कूल-कॉलेज, मेट्रो स्टेशन और अन्य संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया जाएगा। मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में उपराज्यपाल सरदार टीएस संधू ने इसके निर्देश दिए। पुलिस मुख्यालय के सभागार में हुई बैठक में उपराज्यपाल ने 24 जून के बाद पुलिस के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से पुलिस की ओर से शुरू की गई योजनाओं के जमीनी असर और लोगों की प्रतिक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दिल्ली को सुरक्षित बनाना और नागरिकों में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ाना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका की भी सराहना की। उपराज्यपाल ने कहा कि सम्मेलन से मिले अनुभव भविष्य में दिल्ली में होने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में उपयोगी होंगे।महिलाओं की सुरक्षा पर जोर देते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को हर सड़क और हर समय सुरक्षित महसूस होना चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ और उत्पीड़न के खिलाफ 'ऑपरेशन शिष्टाचार' के तहत कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए। पिंक फोर्स को विशेष रूप से संवेदनशील समय और स्थानों पर तैनात किया जाएगा, ताकि महिलाओं से जुड़ी घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई हो सके।

दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनेगी पिंक फोर्स

आयुष्मान भारत के आठ साल: 60 करोड़ से ज्यादा लोगों को मिला स्वास्थ्य कवरेज, पीएम मोदी बोले- गरीबों के लिए वरदान

आयुष्मान भारत योजना के आठ साल पूरे हो गए हैं। पीएम मोदी ने बताया कि योजना के तहत 60 करोड़ से ज्यादा लोगों को सालाना पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिल रहा है। अब तक 13 करोड़ से अधिक लोगों ने इलाज का लाभ लिया है और 39 हजार से ज्यादा अस्पताल जुड़े हैं। आयुष्मान भारत योजना के बुधवार को आठ साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे देश के 60 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपए तक की हेल्थ कवरेज मिली है, जो कि इसे दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर स्कीम बनाती हैं।

पीएम मोदी ने क्या कहा?

आयुष्मान भारत के सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'आठ साल पहले, आयुष्मान भारत की शुरुआत इस सोच के साथ की गई थी कि हर भारतीय को बेहतरीन और किफायती हेल्थकेयर मिल सके। आज, 60 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को सालाना 5 लाख रुपए का हेल्थ कवर मिल रहा है, जिससे यह दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर स्कीम बन गई है। उन्होंने आगे कहा कि इसने इलाज के खर्च में रिकॉर्ड बचत मुमकिन बनाई है, जिससे गरीबों और मध्यम वर्ग को फायदा हुआ है। हेल्थकेयर हर घर के करीब पहुंच रही है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में अब तक 500 करोड़ से ज्यादा विजिट दर्ज की जा चुकी हैं, जिससे जमीनी स्तर पर प्राइमरी हेल्थकेयर मजबूत हुई है।

जेपी नड्डा ने बधाई देते हुए क्या बोले?

वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 साल पहले 'सेवा का संकल्प' लिया था, जिसने लाखों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को बदल दिया है। आज 'आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई' जो दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। देश भर में आधा अरब से ज्यादा लोगों को कवर करती है। 60 करोड़ से ज्यादा लोगों को कवर करने, 48.54 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड बनाने और 13 करोड़ से ज्यादा लोगों के इलाज का लाभ उठाने के साथ, यह योजना पूरे भारत में परिवारों के लिए अच्छी क्वालिटी की हेल्थकेयर और आर्थिक सुरक्षा के वादे को हकीकत में बदल रही है। देश भर में 39,000 से ज्यादा सूचीबद्ध सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों के जरिए 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का हॉस्पिटलाइजेशन और इलाज का लाभ उठाया गया है।

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने क्या कहा?

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना ने देश के करोड़ों परिवारों के लिए बेहतर इलाज और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाया है। गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए यह योजना इलाज के खर्च की चिंता कम कर, स्वस्थ और सुरक्षित जीवन का संबल बनी है।'

'चुनाव आयोग के भीतर मतभेद': कांग्रेस का दावा- मनमर्जी चला रहे ज्ञानेश कुमार, एसआईआर को लेकर क्या सवाल उठे?

चुनाव आयोग में कथित आंतरिक मतभेद को लेकर कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में 14 बार आपत्ति दर्ज की। इनका संबंध एसआईआर, फॉर्म-6, नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम जोड़ने-हटाने और वोटर डेटा तक पहुंच से बताया गया है। आखिर दोनों आयुक्तों ने क्या सवाल उठाए? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...

चुनाव आयोग के कामकाज और फैसले लेने की प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट में द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में 14 बार आपत्ति दर्ज कराई। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों आयुक्तों ने कुछ फैसलों और आदेशों को लेकर कहा कि उन्हें इसकी जानकारी या उनकी मंजूरी नहीं ली गई। ये आपत्तियां विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर, नए मतदाताओं के पंजीकरण, फॉर्म-6 में बदलाव, वोटर लिस्ट से नाम हटाने और जोड़ने, नाम बहाल करने के आदेशों के खिलाफ अपील तथा वोटर डेटा की सुरक्षा जैसे मुद्दों से जुड़ी थीं।

फॉर्म-6 और नए मतदाताओं के पंजीकरण पर क्या सवाल उठे?

- रिपोर्ट के अनुसार, दोनों चुनाव आयुक्तों ने नए मतदाताओं के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म-6 में किए गए बदलाव पर आपत्ति जताई। इस फॉर्म में एसआईआर से जुड़ा एक सवाल जोड़ा गया था, जिसमें आवेदक से पूछा जा रहा था कि उसका या उसके माता-पिता अथवा दादा-दादी का नाम पिछली एसआईआर की मतदाता सूची में था या नहीं।
- रिपोर्ट के मुताबिक, इस बदलाव पर विवेक जोशी ने मई में आपत्ति दर्ज की थी। उनका कहना था कि फॉर्म-6 में बदलाव के लिए मतदाता पंजीकरण से जुड़े नियमों में संशोधन जरूरी है। सुखबीर सिंह संधू ने भी इस आपत्ति से सहमति जताई। बाद में संधू ने इस बदलाव को 'अनधिकृत' और 'गैरकानूनी' बताते हुए इसे हटाने की मांग की।

वोटर लिस्ट और उसके डिजिटल डेटा को लेकर क्या चिंता जताई गई?

दोनों चुनाव आयुक्तों ने मतदाता सूची के डिजिटल डेटाबेस तक अधिकारियों की पहुंच को लेकर भी सवाल उठाए। विवेक जोशी ने मई में मतदाता डेटाबेस के धीरे-धीरे केंद्रीकरण की बात उठाई और यह सुनिश्चित करने के लिए ऑडिट का सुझाव दिया कि बदलाव करने की अनुमति केवल संबंधित कानूनी अधिकारियों के पास हो। अगस्त में सुखबीर सिंह संधू ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर के अधिकारी ईआरओनेट पोर्टल तक उचित और पूरी पहुंच नहीं होने की बात बता रहे हैं। दोनों आयुक्तों ने बाद में इस मामले में कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन को अलग-अलग पत्र भी लिखे।

पश्चिम बंगाल और गोवा में कौन से मामले सामने आए?

- पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान मतदाताओं के नाम हटाने और उन्हें बहाल करने से जुड़े मामलों में भी आपत्ति सामने आई। रिपोर्ट के अनुसार, सुखबीर सिंह संधू ने पूछा कि उन मतदाताओं के खिलाफ अपील दायर करने का अधिकार किसने दिया, जिन्हें न्यायिक अधिकारियों ने बहाल करने का फैसला किया था।
- उन्होंने कहा कि उन्हें, विवेक जोशी और पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इस प्रक्रिया की जानकारी नहीं दी गई थी। गोवा में भी सॉफ्टवेयर से जुड़ा एक मामला सामने आया। वहां निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों ने दस्तावेजों की जांच के बाद 97 मतदाताओं को अंतिम सूची में शामिल करने योग्य माना, लेकिन सॉफ्टवेयर में उनके नाम दर्ज करने की सुविधा समय पर उपलब्ध नहीं हो सकी। इसके चलते ये नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए।

कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार पर क्या आरोप लगाए?

कांग्रेस ने अपनी पोस्ट में आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार महत्वपूर्ण फैसलों में दोनों चुनाव आयुक्तों को जानकारी या सलाह नहीं देते और अपनी मर्जी से फैसले लेते हैं। पार्टी ने इसे चुनाव आयोग के तीन सदस्यीय ढांचे में असहमति का संकेत बताया। कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति पक्षपात करने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने जैसे आरोप भी लगाए।

संजय राउत ने ज्ञानेश कुमार के लिए क्या मांग की?

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। राउत ने आरोप लगाया कि देश में चुनाव व्यवस्था मजाक बन गई है और चुनाव आयोग गृह मंत्रालय के अधीन काम कर रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मंत्रिमंडल से हटाने की भी मांग की। राउत ने कहा कि कार्रवाई नहीं हुई तो वह राष्ट्रपति से ज्ञानेश कुमार को हटाने की अपील करेंगे।

चुनाव आयुक्तों की आपत्तियां पर क्या बोले अखिलेश?

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर चुनाव आयोग में कथित असहमति को बेहद गंभीर बताया। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 महीनों में दो चुनाव आयुक्तों ने निर्वाचन आयोग के गलत फैसलों पर 14 बार आपत्ति दर्ज कराई है। अखिलेश ने कहा कि इसका मतलब है कि सभी चुनाव आयुक्त अपना काम सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि स्वतंत्र संवैधानिक संस्था के सदस्यों को न्यायपूर्ण तरीके से काम करने की स्वतंत्रता नहीं है या उनकी बात नहीं सुनी जाती, तो यह लोकतंत्र के लिए गंभीर स्थिति है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय से स्वत: संज्ञान लेने की मांग की।

सौरभ भारद्वाज ने क्या आरोप लगाए?

आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि जब वह चुनाव आयोग में ज्ञानेश कुमार से मिले थे, तब उनका व्यवहार उन्हें भाजपा के बूथ एजेंट जैसा लगा। भारद्वाज के मुताबिक, उनके हर सवाल के जवाब में ज्ञानेश कुमार कथित तौर पर तीखी प्रतिक्रिया देते थे और उन्हें ऐसे तर्क दिए जाते थे, जिन्हें उन्होंने अतार्किक बताया। उन्होंने यह भी दावा किया कि बैठक के दौरान दोनों अन्य चुनाव आयुक्त लगातार सिर हिलाते रहे। भारद्वाज ने अपने बयान में चुनाव आयोग के कामकाज और अधिकारियों के व्यवहार को लेकर गंभीर सवाल उठाए।

कोलकाता: टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प, पार्टी ऑफिस पर कब्जे को लेकर बवाल, कई घायल; क्या आरोप लगे?

कोलकाता के मुकुंदपुर में मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी गुट और भाजपा समर्थकों के बीच पार्टी कार्यालय पर कब्जे को लेकर विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। पुलिस को भीड़ हटाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा और कई लोग घायल हुए। टीएमसी ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला करने के आरोप लगाए, जबकि भाजपा ने इन आरोपों को खारिज कर टीएमसी कार्यकर्ताओं पर पहले हमला करने का आरोप लगाया। आखिर विवाद शुरू कैसे हुआ? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...

कोलकाता के दक्षिण-पूर्वी इलाके मुकुंदपुर में मंगलवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस गुट और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत हो गई। विवाद स्थानीय पार्टी कार्यालय के नियंत्रण को लेकर शुरू हुआ और देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। पुलिस के मुताबिक, स्थिति बिगड़ने पर भीड़ को हटाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। टीएमसी के कई कार्यकर्ताओं के घायल होने और कुछ के अस्पताल में भर्ती होने की बात सामने आई है। यह टकराव उस समय हुआ, जब ममता गुट के स्थानीय कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय को कथित कब्जे से मुक्त कराने की मांग को लेकर रैली निकाल रहे थे।

टीएमसी ने भाजपा पर क्या आरोप लगाए?

- ममता गुट के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इलाके में पहले टीएमसी का पार्टी कार्यालय था, जिसे भाजपा ने कथित तौर पर जबरन अपने कब्जे में ले लिया। इसी के विरोध में कार्यकर्ता रैली निकालकर पूर्व जादवपुर थाने में ज्ञापन देने जा रहे थे।
- टीएमसी का आरोप है कि रैली शुरू होने के कुछ ही समय बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि महिलाओं पर अंडे फेंके गए। टीएमसी की आईटी सेल प्रमुख उपासना चौधरी ने आरोप लगाया कि उनके घर के बाहर भी हमला किया गया, उन्हें पीटा गया और उनकी कार के आगे और पीछे के शीशे तोड़ दिए गए। इन आरोपों को भाजपा ने खारिज किया है।
-

पूर्व विधायक हुमायूं कबीर को लेकर क्या दावा किया गया?

टीएमसी के पूर्व विधायक और पूर्व आईपीएस अधिकारी हुमायूं कबीर ने भी आरोप लगाया कि उन्हें पुलिस थाने के पास पीटा गया। टीएमसी की ओर से जारी वीडियो में कबीर घायल और खून से सने चेहरे के साथ नजर आए। उन्होंने दावा किया कि जब वह पार्टी के नेताओं के बारे में जानकारी लेने पूर्व जादवपुर थाने पहुंच रहे थे, तब उन पर हमला किया गया। कबीर ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उनका सामान और पैसे छीन लिए तथा उनका चश्मा भी तोड़ दिया। टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन और महुआ मोइत्रा ने भी घटना को लेकर पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि पुलिस के सामने हमला हुआ।

भाजपा ने टीएमसी के आरोपों पर क्या जवाब दिया?

- भाजपा ने टीएमसी के आरोपों को गलत बताया और घटना की अलग तस्वीर पेश की। भाजपा के मुताबिक, उसके एक कार्यकर्ता को टीएमसी की रैली का वीडियो बनाते समय कार्यकर्ताओं ने पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की। पार्टी का कहना है कि इसी घटना के बाद दोनों पक्षों में टकराव बढ़ा।

भाजपा की जादवपुर विधायक सरबरी मुखर्जी ने आरोप लगाया कि इलाके में टीएमसी के लोग दोबारा अपना दबदबा कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इसे आम लोगों और टीएमसी समर्थकों के बीच टकराव के रूप में पेश किया। इस तरह दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है।

पुलिस ने स्थिति को कैसे संभाला और अब क्या स्थिति है?

पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच टकराव बढ़ने के बाद हालात काबू करने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को अलग किया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने पूर्व जादवपुर पुलिस थाने के सामने प्रदर्शन किया। इस पूरे घटनाक्रम में कई टीएमसी कार्यकर्ताओं के घायल होने की बात सामने आई है। मुकुंदपुर की घटना ऐसे समय हुई है, जब दक्षिण कोलकाता के जादवपुर इलाके में पार्टी कार्यालयों और नेताओं के खिलाफ कथित हमलों को लेकर राजनीतिक तनाव बढ़ा हुआ है। हालांकि, इस घटना में किस पक्ष की ओर से पहले हिंसा शुरू हुई, इसे लेकर दोनों दलों के दावे अलग-अलग हैं।

'काम में मतभेद तो होते रहते हैं': विपक्ष के आरोपों पर चुनाव आयोग की सफाई, कहा- सभी फैसले मिलकर लेते हैं

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के भीतर मतभेद की खबरों के बीच आयोग ने सफाई देते हुए कहा है कि काम के दौरान अलग-अलग राय सामने आना सामान्य है और अंतिम फैसले तीनों चुनाव आयुक्त मिलकर लेते हैं। लेकिन पिछले 10 महीनों में 14 आपत्तियों का दावा क्यों सामने आया? संधू और जोशी की टिप्पणियां किन मुद्दों पर थीं? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...

चुनाव आयोग के भीतर मतभेद वाले विपक्ष के आरोपों के बीच आयोग की ओर से सफाई सामने आई है। आयोग से जुड़े सूत्रों ने विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू व विवेक जोशी के बीच किसी औपचारिक असहमति की बात को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि कामकाज के दौरान अधिकारी अपनी राय और सुझाव रखते हैं, लेकिन इसे आपसी टकराव या औपचारिक असहमति नहीं माना जाना चाहिए। आयोग के मुताबिक एसआईआर समेत उसके फैसले तीनों चुनाव आयुक्त मिलकर लेते हैं।

धनकुबेर: दिनेश ठक्कर ने खरीदा 711 करोड़ का सबसे महंगा लग्जरी होम, 63,000 स्क्वायर फीट की ये प्रॉपर्टी कहां है?

कभी 12वीं के बाद छोड़ी थी पढ़ाई

दिनेश ठक्कर की यह डील सिर्फ एक रियल एस्टेट खरीदारी नहीं, बल्कि उनके तीन दशकों के कड़े संघर्ष और दूरदर्शिता की कहानी है। मुंबई के मुलुंड में एक कपड़ा व्यापारी परिवार में जन्मे ठक्कर ने 12वीं की पढ़ाई के बाद पढ़ाई छोड़ दी और दोस्तों से पैसे उधार लेकर शेयर बाजार में कदम रखा। शुरुआत में ही उन्हें 6 लाख रुपये का नुकसान हुआ। इसके बाद 1992 के हर्षद मेहता घोटाले में भी उन्हें बड़ा घाटा और कर्ज सहना पड़ा। ठक्कर ने हार मानने के बजाय ब्रोकिंग इंडस्ट्री की खामियों को समझा और ग्राहकों के लिए पारदर्शी व टेक्नोलॉजी-संचालित सेवाएं लाने का फैसला किया। उन्होंने 1996 में एंजेल ब्रोकिंग की नींव रखी, जो बाद में 'एंजेल वन' बनी।

किराए के मकान से 711 करोड़ के महल तक

दिलचस्प बात यह है कि दिनेश ठक्कर ने अपने कॅरियर के शुरुआती 40 वर्षों तक किराए के मकान में रहना पसंद किया। उनका मानना था कि रियल एस्टेट में पैसा फंसाने के बजाय उसे अपने बिजनेस में लगाना ज्यादा बेहतर रिटर्न देता है। लेकिन अब अपने परिवार के लिए एक खास और निजी आशियाना बनाने के इरादे से उन्होंने देश का सबसे महंगा टावर खरीदा है।

डिजिटल स्टॉकब्रोकिंग कंपनी एंजेल वन के संस्थापक, चेयरमैन और प्रबंध निदेशक दिनेश ठक्कर ने 711 करोड़ रुपये में मुंबई के पॉश इलाके जुहू में आठ मंजिला आवासीय टावर खरीदा है। 'एंजेलस' नामक इस टावर को देश का अब तक का सबसे बड़ा और महंगा लग्जरी आवास बताया जा रहा है।एंबेसी ग्रुप के एंबेसी टेराजा प्रोजेक्ट में बने इस पूरे टावर (जी+7) का रेरा कॉर्पेट एरिया 63,000 स्क्वायर फीट है। इसके हिसाब से इस प्रॉपर्टी का भाव लगभग 1.13 लाख रुपये प्रति स्क्वायर फीट तय हुआ है, जो रेजिडेंशियल रियल एस्टेट के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है। इससे पहले, गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-5 में बन रहे सुपर-लग्जरी प्रोजेक्ट द डहलियाज में एक पेंटहाउस 271 करोड़ रुपये में बिका था।

इसलिए खास है एंजेलस टावर

यह टावर मुंबई के जुहू तारा रोड पर स्थित है, जहां बड़े उद्योगपति और फिल्मी हस्तियां रहती हैं। जी+7 मंजिल का यह टावर 2 एकड़ में फैले एंबेसी टेराजा प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसमें कुल 5 टावर हैं। सी फेसिंग होने के साथ-साथ इसमें निजता और परिवार के मुताबिक डिजाइन से लैस है।

वृद्धि दर: एसएंडपी ने बढ़ाया भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान, FY27 में 7% की रफ्तार; आरबीआई के रुख पर भी संकेत

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने FY27 में भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.6% से बढ़ाकर 7% किया है। जानिए आरबीआई की संभावित 25 बीपीएस दर बढ़ोतरी, महंगाई और मानसून के जोखिमों का अर्थव्यवस्था पर असर के बारे में। भारत की अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की शुरुआत उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन के साथ की है। अब एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने FY27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.6% से बढ़ाकर 7% कर दिया है। इसके साथ ही रेटिंग एजेंसी ने महंगाई और आर्थिक जोखिमों को देखते हुए चालू वित्त वर्ष में आरबीआई की पॉलिसी रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। यानी एक तरफ अर्थव्यवस्था की रफ्तार मजबूत दिख रही है, तो दूसरी तरफ महंगाई और मौसम से जुड़ी चिंताएं ब्याज दरों के मोर्चे पर दबाव बढ़ा सकती हैं।मौसम और मानसून को लेकर भी S&P ने सावधानी बरतने की बात कही है। 9 सितंबर 2026 तक देश में संचयी बारिश सामान्य से 15% कम रही थी। कम बारिश का असर कृषि उत्पादन पर पड़ सकता है।

एसएंडपी ने जीडीजी ग्रोथ का अनुमान क्यों बढ़ाया?

एसएंडपी के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था में कई ऐसे संकेत दिखाई दे रहे हैं, जिन्होंने विकास दर के अनुमान को ऊपर ले जाने में मदद की है। जून तिमाही में भारत की जीडीपी 7.8% बढ़ी, जो उम्मीद से बेहतर रही।

क्या पूरी FY27 में 7% की रफ्तार बनी रहेगी?

एसएंडपी का मानना है कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में विकास की रफ्तार कुछ धीमी पड़ सकती है। इसकी एक वजह जीएसटी के युक्तिकरण और आयकर कटौती से मिलने वाला शुरुआती फायदा कम होना है।इसका मतलब यह है कि अर्थव्यवस्था के लिए मौजूदा सकारात्मक परिस्थितियां आगे भी बनी रहना जरूरी होगा, ताकि 7% की सालाना वृद्धि का अनुमान हासिल किया जा सके।

आरबीआई ब्याज दर क्यों बढ़ा सकता है?

एसएंडपी के अनुसार अब परिस्थितियां ब्याज दरों में बढ़ोतरी के पक्ष में जा सकती हैं। रेटिंग एजेंसी ने इसके पीछे कई कारण गिनाए हैं। सबसे अहम वजह महंगाई का दबाव है। S&P ने FY27 में भारत की औसत उपभोक्ता महंगाई दर 5.1% रहने का अनुमान लगाया है। इसके अलावा मजबूत आर्थिक वृद्धि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और मौसम से जुड़े जोखिम भी ब्याज दरों के फैसले को प्रभावित कर सकते हैं। एसएंडपी का अनुमान है कि आरबीआई चालू वित्त वर्ष में 25 बेसिस पॉइंट की दर वृद्धि कर सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में दम: फिच ने भी बढ़ाया FY27 में वृद्धि दर का अनुमान, जानिए ब्याज दरों पर क्या कहा

फिच रेटिंग्स ने FY27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 6.9% किया। जानिए जून तिमाही के आंकड़े, सेक्टर वाइज प्रभाव और अक्टूबर में आरबीआई द्वारा 0.25% ब्याज दर बढ़ाने की संभावना पर पूरी रिपोर्ट।वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी मजबूती का प्रदर्शन कर रही है। रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष (FY27) के लिए भारत की जीडीपी विकास दर का अनुमान 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया है। जून तिमाही में दर्ज की गई 7.8 प्रतिशत की मजबूत आर्थिक वृद्धि और समग्र लचीलेपन को देखते हुए यह संशोधन किया गया है।हालांकि, एजेंसी का अनुमान है कि बढ़ती महंगाई और आपूर्ति संबंधी चिंताओं को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आगामी अक्तूबर मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत (25 बेसिस पॉइंट्स) की बढ़ोतरी कर सकता है।फिच ने भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान क्यों बढ़ाया है?

फिच रेटिंग्स के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की जीडीपी ग्रोथ दर ने यह साबित किया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों का मुकाबला करने में सक्षम है। वर्ष 2026 की पहली छमाही में व्यापार की शर्तों में गिरावट और अमेरिका-ईरान युद्ध के प्रभाव के बावजूद देश की विकास दर मजबूत बनी हुई है। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि निजी निवेश के मोर्चे पर स्थिति काफी बेहतर दिख रही है। फिच का अनुमान है कि देश में निजी निवेश में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा, जुलाई महीने में गैर-खाद्य ऋण वृद्धि सालाना आधार पर 19 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई,

देश के अलग-अलग सेक्टरों पर कैसा दिख रहा है आर्थिक असर?

फिच के विश्लेषण के मुताबिक, आगामी महीनों में अर्थव्यवस्था की रफ्तार कुछ धीमी हो सकती है, जिसका असर विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ेगा:

- मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज: पीएमआई (PMI) सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों में विस्तार की रफ्तार पहले के मुकाबले धीमी पड़ रही है। कृषि और ग्रामीण मांग: सामान्य से कम मानसूनी बारिश का प्रतिकूल असर कृषि उत्पादन और ग्रामीण इलाकों में खपत की मांग पर देखने को मिल सकता है।
- महंगाई और कंज्यूमर सेंटीमेंट: बढ़ती महंगाई के कारण आम लोगों की वास्तविक आय और उपभोक्ता मांग पर दबाव बढ़ रहा है।

ब्याज दरों को लेकर फिच का अनुमान इस प्रकार है:

अक्तूबर 2026: रिजर्व बैंक अक्टूबर की मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट्स (0.25%) की बढ़ोतरी कर रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत तक ले जा सकता है।

वर्ष 2027 की शुरुआत: दरों में एक और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे दरें 5.75 प्रतिशत तक पहुंच सकती हैं।

वर्ष 2028: स्थिति सामान्य होने पर 2028 में ब्याज दरें वापस घटकर 5.5 प्रतिशत के स्तर पर आ सकती हैं।

लिस्टिंग से बचने के लिए टाटा संस में होगा फेरबदल?: नोएल ने रखा कंपनी बांटने का प्रस्ताव, आगे क्या होगा?

टाटा संस की संभावित शेयर बाजार लिस्टिंग को लेकर टाटा समूह में अंदरूनी मतभेद गहरा गए हैं। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने 17 सितंबर की बोर्ड बैठक में टाटा संस को कई अलग-अलग इकाइयों में बांटने का प्रस्ताव रखा, जिसे लिस्टिंग टालने के संभावित विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में शामिल टाटा समूह में अंदरूनी स्तर पर खींचतान बढ़ती दिखाई दे रही है। होल्डिंग कंपनी टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराने को लेकर जहां शीर्ष स्तर पर मतभेद सामने आ रहे हैं, वहीं टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा लिस्टिंग से बचने के लिए दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने टाटा संस को कई अलग-अलग इकाइयों में बांटकर उसका पुनर्गठन करने का प्रस्ताव रखा है।

आरबीआई के फैसले के बाद बढ़ा लिस्टिंग का दबाव

आरबीआई की ओर से टाटा संस का पंजीकरण रद्द करने का आवेदन खारिज किए जाने के बाद कंपनी के शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की संभावना काफी बढ़ गई है। हालांकि, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा इसके पक्ष में नहीं हैं। 17 सितंबर को हुई टाटा संस की बोर्ड बैठक में उन्होंने कंपनी का पुनर्गठन कर उसे कई अलग-अलग इकाइयों में बांटने का प्रस्ताव रखा। माना जा रहा है कि इस रास्ते से कंपनी की लिस्टिंग की जरूरत को टालने की कोशिश की जा सकती है।इंडिया और टाटा डिजिटल जैसे कारोबारों में हुए भारी घाटे का हवाला देते हुए आपत्ति जताई।

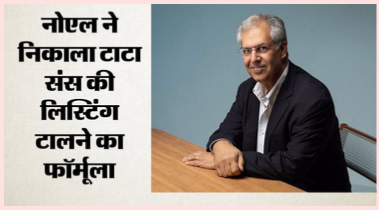

बोर्ड में प्रस्ताव पर नहीं बनी सहमति

नोएल टाटा के इस प्रस्ताव के बाद बोर्ड के भीतर मतभेद खुलकर सामने आए। नोएल ने एन चंद्रशेखरन को कार्यकारी चेयरमैन के तौर पर दोबारा नियुक्त करने और लिस्टिंग की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का भी विरोध किया। दूसरी ओर, बोर्ड के अधिकांश सदस्यों ने इन प्रस्तावों का समर्थन किया। टाटा संस में 18.37 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाला शापूरजी पलोनजी (एसपी) ग्रुप कंपनी की सार्वजनिक लिस्टिंग के पक्ष में है। इसकी एक बड़ी वजह उसकी वित्तीय जरूरतें और कर्ज चुकाने का दबाव है।

जमीन पर बेहद पेचीदा है कंपनी का बंटवारा

विशेषज्ञों के मुताबिक, टाटा संस को कई हिस्सों में बांटने का प्रस्ताव सुनने में भले ही एक विकल्प लगता हो, लेकिन इसे लागू करना आसान नहीं होगा। कैटलिस्ट एडवाइजर्स के केतन दलाल के अनुसार, टाटा संस के विशाल आकार को देखते हुए इसे किसी भी पुनर्गठन में कई तरह की नियामकीय, कारोबारी और टैक्स से जुड़ी जटिलताएं सामने आ सकती हैं। अगर इस कदम को आरबीआई के नियमों या पंजीकरण रद्द न करने के फैसले से बचने की कोशिश के तौर पर देखा गया, तो केंद्रीय बैंक से मंजूरी हासिल करना भी मुश्किल हो सकता है।

चार बोर्ड बैठकों में धीरे-धीरे बढ़ता गया विवाद

टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स के बीच शीर्ष नेतृत्व और एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल को लेकर विवाद अचानक नहीं उठा। पिछले कुछ महीनों में हुई बोर्ड बैठकों में लगातार मतभेद लगातार गहराते गए।

सोने की चमक फीकी पड़ी: दिल्ली में 200 रुपये गिरा 10 ग्राम का भाव, चांदी 5000 प्रति किलो लुढ़की; जानिए क्या वजह

सोने-चांदी की कीमतों पर किन ताकतों का असर है?

ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म लेमन के शोध प्रमुख गौरव गर्ग ने बताया कि सोना और चांदी प्रतिस्पर्धी ताकतों के बीच फंसे हुए हैं। फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की आक्रामक टिप्पणियां और बढ़ती महंगाई की चिंताएं इसका एक कारण हैं। इससे बॉन्ड प्रतिफल और अमेरिकी डॉलर मजबूत बने हुए हैं। इन कारकों ने बहुमूल्य धातुओं पर दबाव डाला है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने बहुमूल्य धातुओं की मांग को समर्थन दिया है।व्यापारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में 15 पैसे की वृद्धि हुई। रुपया 95.81 पर पहुंच गया। शेयर बाजारों में लाभ ने भी बहुमूल्य धातुओं को प्रभावित किया। निवेश प्लेटफॉर्म मुद्रेक्स के लीड क्वांट विश्लेषक अक्षत सिद्धांत ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें लगातार चौथे सत्र में गिरी हैं। इस गिरावट से महंगाई का दबाव कम हुआ है। सोना लगभग 4,350 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा है।गौरव गर्ग ने बताया कि डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल 100 अमेरिकी डॉलर से नीचे फिसल गया। निवेशकों ने सऊदी शिपमेंट की संभावित रिकवरी का आकलन किया। इससे बाजार में आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद जगी। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी हमले और आपूर्ति में व्यवधान एक प्रमुख जोखिम बने हुए हैं।

दिल्ली में सोने के दाम 200 रुपये गिरे, जबकि चांदी 5,000 रुपये सस्ती हुई। रुपये की मजबूती, वैश्विक रुझानों में नरमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने बहुमूल्य धातुओं पर दबाव डाला। जानें बाजार के उतार-चढ़ाव के कारण।सप्ताह की शुरुआत में सोने के दाम में गिरावट दर्ज की गई। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोना 200 रुपये सस्ता हो गया। यह 1,56,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वैश्विक रुझानों में नरमी और रुपये की मजबूती के कारण यह गिरावट आई।शुक्रवार को 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 1,56,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी में भी तेज गिरावट देखी गई। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, चांदी 5,000 रुपये गिरकर 2.42 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें सभी कर शामिल हैं। पिछले सत्र में चांदी 2.47 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर थी।

द बोनस मार्केट अपडेट: सेंसेक्स 400 अंक से अधिक उछला, निफ्टी 23,350 के पार पहुंचने में सफल

भारतीय शेयर बाजार में तेजी जारी है। सेंसेक्स 400 अंक से अधिक उछला और निफ्टी 23,350 के पार पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और सऊदी पाइपलाइन मरम्मत से बाजार को राहत मिली है। अल्ट्राटेक और एशियन पेंट्स जैसे शेयरों में 3 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई।भारतीय शेयर बाजार में आज जोरदार तेजी देखने को मिली। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 400 अंक से अधिक उछलकर 74,683.98 पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी भी 23,350 के स्तर को पार करते हुए 23,380.85 पर कारोबार करता दिखा। यह उछाल निवेशकों के लिए राहत लेकर आया है।बाजार में यह सकारात्मक रुख पिछले तीन सत्रों से बना हुआ है। अल्ट्राटेक और एशियन पेंट्स जैसे बड़े शेयरों में 3 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी ने बाजार को सहारा दिया है। सऊदी पाइपलाइन की मरम्मत में हुई प्रगति से आपूर्ति बाधित होने की चिंताएं कम हुई हैं। वैकल्पिक निर्यात मार्गों की उपलब्धता ने भी बाजार को मजबूती दी है। विश्लेषकों का मानना है कि कई कारक बाजार को आगे बढ़ा रहे हैं।

बाजार को राहत क्यों मिली?

भारतीय बाजारों को पिछले तीन कारोबारी सत्रों से राहत मिली है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी इसका एक प्रमुख कारण है। सऊदी पाइपलाइन की मरम्मत का काम तेजी से आगे बढ़ा है। इससे तेल आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान की आशंका कम हुई है। इसके अलावा, तेल निर्यात के लिए नए वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध हो गए हैं। इन सभी कारणों से बाजार में सकारात्मक माहौल बना है।

आगे बाजार की चाल कैसी रहेगी?

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर में वृद्धि का दौर अब निवेशकों के लिए समाप्त हो गया है। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में भी कमी आई है। कच्चे तेल की नरम कीमतें और घरेलू बाजार में मजबूत तरलता बाजार को सहारा दे सकती है। इन कारणों से बाजार में सतर्कता के साथ सकारात्मक रुझान बना रह सकता है।

आनंद एल राय: धनुष को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर क्यों डरे निर्देशक? इस बात के लिए अक्षय को कहा शुक्रिया

Anand L Rai received Award: निर्देशक आनंद एल राय को उनकी फिल्म के लिए 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का पुरस्कार दिया गया है। इस पर आनंद ने बातचीत में अपनी खुशी जाहिर की। इसके साथ ही धनुष को लेकर भी काफी कुछ कहा। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में लेखक-निर्देशक आनंद एल राय को सर्वश्रेष्ठ निर्देशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड उनकी फिल्म मशहूर डाक्यूमेंट्री फिल्म के लिए दिया गया है। किस फिल्म के लिए मिला पुरस्कार निर्देशक आनंद एल राय को उनकी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी: एकता का प्रतीक' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को गुजरात के एकता नगर में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया। फिल्म मे सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत को दर्शाया गया है। आनंद एल राय ने पुरस्कार मिलने पर अपनी खुशी जताते हुए एएनआई से बातचीत में कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। सिर्फ इसलिए नहीं कि यह राष्ट्रीय पुरस्कार है, बल्कि इसलिए भी कि यह डॉक्यूमेंट्री के लिए मेरा पहला पुरस्कार है। और मुझे सबसे अच्छी बात यह लगी कि इतनी सारी फिल्में बनाने के बाद भी, कुछ ऐसा था जो मुझे नहीं पता था।

और यह कहानी कहने का एक नया तरीका है। और इतना काम करने के बाद, अगर आप किसी चीज में डेब्यू करते हैं, तो उसका अनुभव बिल्कुल अलग होता है।

यह एक बहुत ही सीखने वाला अनुभव है। यह कहानी कहने का एक नया तरीका है। मैंने पहली फिल्म में कुछ गलतियाँ कीं। लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैं कभी दोबारा डॉक्यूमेंट्री बनाऊंगी, तो इससे बेहतर काम करूँगी। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डॉक्यूमेंट्री में जिन लोगों के बारे में मुझे पता था, इस बार मुझे लगा कि मैं उनके बारे में बहुत कम जानती थी।' आगे अपनी बातचीत में आनंद एल राय ने कहा, ' इस डॉक्यूमेंट्री को मुझ तक पहुंचाने के लिए वही जिम्मेदार हैं। अगर वे नहीं होते, तो यह डॉक्यूमेंट्री मुझ तक नहीं पहुंच पाती। जब उन्होंने मुझे इस डॉक्यूमेंट्री के बारे में बताया, तो मुझसे संपर्क किया गया। पहले तो मैं हिचकिचाया, लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि मुझे यह अवसर नहीं गंवाना चाहिए। और अक्षय सर ने इसमें मेरा बहुत हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा, 'हां, तुम इसे करो, तुम्हें मजा आएगा।' आनंद एल राय ने बीते कुछ साल में कई हिट फिल्मों का निर्देशन किया है। इसमें 'तनु वेड्स मनु', 'रांझना', 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' और 'अतरंगी रे' जैसी फिल्में शामिल हैं। इसके साथ ही वह कलर येलो प्रोडक्शंस भी चलाते हैं। बीते दिनों धनुष के साथ उनकी फिल्म 'तेरे इश्क में' को दर्शकों ने काफी प्यार दिया था।

सोनू सूद: बिहार में बाढ़ का कहर अभिनेता ने जाना पीड़ितों का हाल

Bihar Flood Sonu Sood: बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद हाल ही में बिहार के बेगूसराय पहुंचे और वहां जाकर बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना। साथ ही एक्टर ने सीएम सम्राट चौधरी से भी मुलाकात की। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद अक्सर आम लोगों की मदद करते हुए नजर आते हैं। कुछ दिनों पहले वह नेपाल के बाढ़ पीड़ितों से मिले थे और उन्होंने वहां के लोगों की मदद की थी। अब सोनू बिहार के बेगूसराय पहुंच गए हैं और एक्टर ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर पीड़ितों का हाल जाना। सोनू सूद गंगा किनारे टूटी फूटी सड़कों पर पैदल चले और फिर कई किलोमीटर तक नाव की सवारी की। इसके बाद अभिनेता मटिहानी प्रखंड के सीमा पठला टोल, रामदीरी गांव पहुंचकर सैकड़ों बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचे और राहत सामग्री बांटी। अब अभिनेता ने कहा है कि जब भी बिहार के लोग परेशानी में होंगे, वह हमेशा आते रहेंगे। बाढ़ पीड़ितों से मिलने के बाद अभिनेता सोनू सूद ने कहा, 'यहां आना हमारे लिए बहुत जरूरी था।

मुश्किल आएगी, मैं हमेशा आता रहूंगा। अगर उन्हें परेशानी होगी तो मैं उनके साथ खड़ा रहूंगा। मुझे लगता है कि इसका कोई स्थायी समाधान होना चाहिए, ताकि लोगों को परेशानी न हो और मुझे विश्वास है कि सरकार इसके लिए कुछ बेहतर कदम जरूर उठाएगी।'

सोनू सूद ने आगे कहा, 'बिहार मेरा घर है और बिहार के लोग मेरे परिवार वाले हैं। जब भी मेरे परिवार वालों को तकलीफ होगी, तो मैं खड़ा रहूंगा।' बिहार बाढ़ पीड़ितों से मिलने के बाद अभिनेता ने वहां के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी मुलाकात की। इसका एक पोस्ट अभिनेता ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया। तस्वीरों में सोनू सूद और सम्राट चौधरी हाथ मिलाते हुए और साथ में पोज देते नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट पर मुख्यमंत्री ने कैप्शन में लिखा, 'लोक सेवक आवास में आज सुप्रसिद्ध अभिनेता एवं समाजसेवी सोनू सूद से आत्मीय मुलाकात हुई।'

एवेंजर्स: 7 साल बाद फिर लौटेगी 'एंडगेम' एडवांस बुकिंग में 4.45 करोड़ का आंकड़ा पार

Avengers Endgame Encore Advance Booking: 'एवेंजर्स: एंडगेम एनकोर' 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और इस फिल्म ने एडवांस बुकिंग में ही शानदार कमाई की है। मार्वल की सुपरहिट फिल्म 'एवेंजर्स: एंडगेम' एक बार फिर सिनेमाघरों में वापसी करने जा रही है। 2019 में रिलीज हुई इस फिल्म के सात साल बाद मार्वल इसे 'एवेंजर्स: एंडगेम एनकोर' के नाम से दोबारा रिलीज कर रहा है। भारत में फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है और इसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले तीन दिनों की एडवांस बुकिंग में ब्लॉक सीट्स को शामिल करके 4.45 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। पिछले 24 घंटे में ही फिल्म की बुकिंग में करीब 1.43 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। वहीं, ब्लॉक सीट्स को हटाकर फिल्म के 12,709 टिकट 1,613 शोज के लिए बिक चुके हैं। फिल्म 25 सितंबर को रिलीज होने वाली है। खास बात यह है कि इस बार मार्वल फिल्म को सिर्फ पुरानी यादों के सहारे वापस नहीं ला रहा है। 'एवेंजर्स: एंडगेम एनकोर' में नया फुटेज और 'एवेंजर्स: डूम्सडे' की एक्सक्लूसिव झलक भी दिखाई जाएगी। यही वजह है कि फिल्म की वापसी को लेकर दर्शकों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। बता दें कि 'एवेंजर्स: डूम्सडे' 18 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।फिल्म की सबसे ज्यादा हलचल 25 सितंबर यानी ओपनिंग डे के लिए देखने को मिल रही है।

आइमैक्स और 4DX में भी बढ़ी डिमांड

'एवेंजर्स: एंडगेम' की एडवांस बुकिंग में प्रीमियम फॉर्मेट्स का भी बड़ा हिस्सा है। फिल्म को आइमैक्स 2D, 4DX 3D और दूसरे बड़े फॉर्मेट्स में रिलीज किया जाएगा। इंग्लिश आइमैक्स 2D ने करीब 8.07 लाख रुपये का कलेक्शन किया है, जिसके लिए 1,513 टिकट बिके हैं। वहीं, 4DX 3D ने 801 टिकटों से 4.67 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई की है। शुरुआती एडवांस बुकिंग के बाद अब फिल्म की बॉक्स ऑफिस कमाई को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

गोविंदा: पत्नी सुनीता के आरोपों के बीच लालबागचा राजा पहुंचे एक्टर वायरल एक्ट्रेस के साथ किए बप्पा के दर्शन

Govinda Arrived Lalbaugcha Raja: अभिनेता गोविंदा अपनी फिल्म 'रूपा' की को-स्टार रानी स्वर्णकार संग लालबागचा राजा के दरबार पहुंचे। यहां उन्होंने बप्पा के दर्शन किये। इसके बाद फैंस का अभिवादन किया। एक्टर का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। मंगलवार देर रात अभिनेता गोविंदा ने मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा पंडाल में जाकर आशीर्वाद लिया। वहां उन्होंने प्रार्थना की और अंतिम आरती में भाग लिया। इस दौरान उनके साथ उनकी को-स्टार रानी स्वर्णकार भी मौजूद थीं। पंडाल में भारी संख्या में पैपराजी और फैंस मौजूद थे। उनके पंडाल जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

रानी के साथ पहुंचे गोविंदा

बीते दिनों गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता के बीच का घरेलू विवाद सुर्खियों में रहा। सुनीता ने गोविंदा पर कई आरोप लगाए, जिनमें से एक रानी को लेकर भी था। इसके बाद भी गोविंदा को-स्टार रानी के साथ बप्पा के दर्शन करने पहुंचे। हालांकि अहूजा परिवार द्वारा रखे गए गणपति उत्सव में गोविंदा पत्नी के साथ शामिल नहीं हुए थे। दोनों ने अलग-अलग समय पर बप्पा के दर्शन किए थे। जुलाई में गोविंदा ने रानी को अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' में नई सह-कलाकार के रूप में मीडिया के सामने पेश किया। उसके बाद कुछ समय पहले वह रानी के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर दिखे। इस पर पैप्स ने जब सुनीता ने जब एक्टर ने उनकी प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने कहा,

गोविंदा और रानी पर लगाए थे आरोप

कुछ दिन पहले गोविंदा को अभिनेत्री रानी स्वर्णकार के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया।

इसके बाद गोविंदा और रानी के अफेयर की अटकलें लगने लगीं।

इस बात पर पत्नी सुनीता ने भी पैपराजी के सामने प्रतिक्रिया दी।

सुनीता ने कहा, 'प्रमोशन फिल्म बनने के बाद होता है। ये बिना फिल्म के ही प्रमोशन कर रहे हैं। क्या बोल जाए। बेटी की उमर की लड़की को ले लेकर घूम रहा है। शर्म तो आनी चाहिए। कोई स्टैंडर्ड तो होना चाहिए।'

इसके बाद गोविंदा ने भी सुनीता को फटकार लगाई और गलत भाषा का प्रयोग करने के लिए खूब खरी-खोटी सुनाईं।

ये कहवत सुना है कभी, 'विनाश काले विपरीत बुद्धि', उसकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है इसलिए ये सब करता है वो, मैं इस बारे में क्या कहूं?' पारंपरिक सफेद लिबास में पहुंचे गोविंदा ने कड़ी सुरक्षा के बीच बप्पा के दर्शन किए और पूजा-अर्चना के बाद अंतिम आरती में भी हिस्सा लिया। उनके साथ मौजूद रानी स्वर्णकार लाल और मस्टर्ड शेड के पारंपरिक लिबास में दिखाईं दीं। दर्शन के बाद बाहर निकलते वक्त गोविंदा ने हाथ जोड़कर वहां मौजूद फैंस और मीडिया का अभिवादन किया।

कुमार सानू @69: 'आशिकी' से बने मेलोडी किंग आज भी जवां दिलों की धड़कन हैं पद्मश्री सानू दा के यह 10 गाने

Kumar Sanu Birthday: सिंगर कुमार सानू का आज 69वां जन्मदिन है। 90 के दशक में कुमार सानू ने नए अभिनेताओं को अपनी सुरीली आवाज में खूब नचाया है। इस खबर में बात रोमांटिक गानों के बादशाह कुमार सानू के ऐसे 10 गानों की, जो आज भी फैंस को कहीं सुनाई दे जाएं तो उनका दिल धड़कने लगता है कुमार सानू के गानों का खुमार कुछ ऐसा है जो किसी भी एक जेनरेशन तक सीमित नहीं रहा। आज भी कई दिल उनकी मखमली आवाज सुनकर धड़कते हैं। इस खबर में जानें कैसे केदारनाथ भट्टाचार्य बने कुमार सानू? साथ ही देखें उनके 10 मशहूर गानों की लिस्ट...

पिता से ली संगीत की शिक्षा

गायक कुमार सानू का असल नाम केदारनाथ भट्टाचार्य है। उनका जन्म 20 अक्टूबर 1957 को कोलकाता में हुआ था। पिता पशुपतिनाथ भट्टाचार्य खुद भी प्रसिद्ध संगीतकार और गायक थे। कहा जाता है की संगीत की प्रथम शिक्षा उन्होंने अपने पिता से ही ली थी।

किसने दिया नया नाम?

यूं तो बतौर प्लेबैक सिंगर सानू दा ने अपने करियर की शुरुआत 1984 में फिल्म 'ये देश' से की थी पर फिर 1989 में गजल सम्राट जगजीत सिंह ने उनकी मुलाकात मशहूर कंपोजर जोड़ी कल्याणजी-आनंदजी से करवाई। उन्होंने ही केदारनाथ भट्टाचार्य को अपना नाम बदलकर कुमार सानू रखने की सलाह दी।

इसके बाद 1990 में रिलीज हुई महेश भट्ट की म्यूजिकल फिल्म 'आशिकी' जिसने कुमार सानू को घर-घर में पहचान दिलाई। फिल्म का म्यूजिक एल्बम ऐसा हिट हुआ कि आज भी बॉलीवुड के सबसे सफल साउंडट्रैक में से एक माना जाता है। 'अब तेरे बिन..', 'नजर के सामने..', 'धीरे-धीरे से मेरी जिंदगी में आना' और 'बस एक सनम चाहिए' समेत फिल्म के लगभग सभी गानों को कुमार सानू ने आवाज दी और रोमांटिक प्लेबैक स्टाइल से अलग ही पहचान बनाई।

90 के दशक में बनाई पहचान

इसके बाद 90 के दशक में रिलीज हुई 'बाजीगर', 'परदेस', 'दीवाना', 'साजन' और '1942: ए लव स्टोरी' जैसी लगभग हर सुपरहिट फिल्म में सानू दा ने रोमांटिक गाने गाकर सबको अपना दीवाना बनाया।

1993 में उन्होंने एक ही दिन में 28 गाने रिकॉर्ड करने का भी रिकॉर्ड बनाया।

आज बीबीसी के टॉप 40 बॉलीवुड साउंडट्रैक की लिस्ट में भी उनके कई गाने शामिल हैं।

संगीत जगत में योगदान के लिए सानू दा को 2009 में पद्मश्री से भी नवाजा गया।

90 के दशक में रिलीज हुई फिल्म 'आशिकी' के गानों के सुनने वाले दीवाने थे। फिल्म के हिट होने का मुख्य कारण फिल्म का एल्बम भी रहा। यह गाना राहुल रॉय और अनु अग्रवाल पर फिल्माया गया था। हालांकि इस फिल्म के सारे गाने काफी पॉपुलर हुए। शाहरुख खान की फिल्म 'बाजीगर' का एक्टर को बादशाह बनाने में बड़ा हाथ है। इसी फिल्म का गाना 'ये काली काली आंखें' काफी पॉपुलर हिट गाना था। इस गाने में कुमार सानू के साथ अनु मलिक ने भी अपनी आवाज दी थी। यह गाना शाहरुख खान और काजोल पर फिल्माया गया था। 1992 में रिलीज हुई फिल्म 'दीवाना' का गाना 'सोचेंगे तुम्हें प्यार करें के नहीं' कैसेट के दौर में जमकर मशहूर हुआ। गाने का म्यूजिक नदीम-श्रवण ने दिया था। इस रोमांटिक ट्रैक को ऋषि कपूर और दिव्या भारती पर फिल्माया गया था।

साल 1994 में रिलीज हुई फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' का यह गाना बहुत मशहूर हुआ था। यह गाना कुमार सानू और अल्का याग्निक दोनों ने मिलकर गाया था। इस गाने में अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी रोमांस करते नजर आए थे।

मेरा दिल भी कितना पागल है

संजय दत्त और माधुरी दीक्षित की फिल्म 'साजन' 1991 में रिलीज हुई थी। यह गाना उस दौर के रोमांटिक गानों की लिस्ट में सबसे आगे रहता है। इस गाने को भी नदीम-श्रवण ने कंपोज किया था।

फिल्म: 1942: ए लव स्टोरी के सभी गानें काफी हिट थे। मगर फिर भी 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' इन सभी गानों में सबसे खास जगह रखता है। यह गाना अनिल कपूर और मनीषा कोइराला पर फिल्माया गया था। फिल्म 'दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे' को दर्शकों ने काफी प्यार दिया था। मगर फिल्म के इस गाने ने उनका दिल चुरा लिया था। कुमार सानू और लता मंगेशकर की सुरीली आवाज में यह गाना आज भी कई लोगों का फेवरेट है।

Aaj ka Rashifal 23 September

तुला और वृश्चिक राशि वालों की दूर होंगी परेशानियां, रिश्तों और करियर में मिलेगा लाभ

23 सितंबर 2026 का दिन आपकी राशि के लिए कैसा रहेगा? जानें आज का राशिफल और धन, करियर, प्रेम व स्वास्थ्य से जुड़े जरूरी संकेत।23 सितंबर 2026 का दिन मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के लिए कई महत्वपूर्ण संकेत लेकर आ सकता है। ग्रहों की स्थिति के आधार पर आज कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति, प्रेम संबंध, पारिवारिक जीवन और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में अलग-अलग अनुभव देखने को मिल सकते हैं। किसी राशि के लिए दिन नई जिम्मेदारियां और अवसर लेकर आ सकता है, तो किसी को अपने फैसलों में थोड़ा धैर्य और सावधानी बरतने की जरूरत पड़ सकती है। आज नौकरीपेशा लोगों को काम से जुड़े नए अवसर या जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

मेष

आज का दिन आपके लिए उत्साह और पारिवारिक खुशियों से भरा रहेगा। कॉलेज से जुड़े किसी काम को लेकर भागदौड़ बनी रह सकती है, वहीं घर में किसी मांगलिक आयोजन की तैयारियों में भी आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों का सामाजिक प्रभाव मजबूत होगा और लोग आपकी मददगार प्रवृत्ति की सराहना करेंगे। शाम का समय बच्चों के साथ आनंदपूर्वक बीतेगा और जीवनसाथी के साथ शॉपिंग का कार्यक्रम रिश्ते में मिठास बढ़ाएगा। परिवार में खुशनुमा माहौल बना रहेगा।

वृषभ

आज आपके प्रयासों को सफलता का साथ मिलेगा। किसी को दिए हुए पैसे वापस मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आप उस धन का उपयोग व्यापार को आगे बढ़ाने में कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में मेहनत कुछ अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन आपका समर्पण काम को समय पर पूरा कराने में मदद करेगा। सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय लोगों के लिए बदलाव का समय है। मानसिक उलझनें कम होंगी और किसी उच्च अधिकारी का सहयोग आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

मिथुन

आज व्यापार में कम प्रयास के बावजूद अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की कमान सौंपी जा सकती है, जिसे आप अपनी मेहनत और समझदारी से सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। निजी जीवन में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, जबकि मित्र किसी विषय में आपकी सलाह या सहायता मांग सकते हैं। सरकारी नौकरी की परीक्षा देने वालों को सकारात्मक परिणाम की उम्मीद रहेगी। प्रेम संबंधों के लिए भी दिन सुखद और उत्साहपूर्ण रहेगा।

कर्क

आज कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और ऑफिस में कोई बड़ा लक्ष्य आपको दिया जा सकता है। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई का तरीका बदलना फायदेमंद रहेगा और इससे बेहतर परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलेगी। रास्ते में किसी जरूरतमंद की सहायता करने का अवसर मिलेगा और आपका मानवीय व्यवहार दिल को संतोष देगा। कामकाज से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों को गोपनीय रखना जरूरी होगा। व्यापारियों को किसी नए निवेशक से जुड़ने का अवसर मिल सकता है।

सिंह

आज का दिन उतार-चढ़ाव के बीच कई अच्छी संभावनाएं लेकर आएगा। किसी प्रतिष्ठित कंपनी से नौकरी का बड़ा प्रस्ताव मिल सकता है, वहीं व्यापारियों के लिए नई डील पक्की होने और नए ग्राहकों से जुड़ने के योग बनेंगे। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग आपके काम को आसान करेगा। गृहस्थ जीवन में खुशियां बनी रहेंगी और लंबे समय से चली आ रही किसी चिंता से राहत मिल सकती है। ट्रेनिंग संस्थानों में पढ़ाने वालों के लिए भी दिन विशेष रूप से अच्छा रहेगा और सामाजिक मेलजोल बढ़ेगा

कन्या

आज आप पूरे उत्साह के साथ अपने कामों को आगे बढ़ाएंगे। आपकी वाणी और व्यवहार का असर लोगों पर पड़ेगा, इसलिए बातचीत में मधुरता और विनम्रता बनाए रखना आपके लिए विशेष लाभदायक रहेगा। उद्योग और कारोबार से जुड़े लोगों को अच्छे लाभ के अवसर मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन में आपसी समझ और एकता बनी रहेगी। मित्रों के सहयोग से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। घर में मां के हाथों से बने स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा और उनके साथ आपका भावनात्मक जुड़ाव और गहरा होगा।

तुला

आज आपके लिए राहत और उपलब्धियों का दिन रहेगा। कामकाज में लंबे समय से आ रही अड़चनें दूर होंगी और ऑफिस में आपके प्रयासों की प्रशंसा होगी। कोई नया प्रोजेक्ट मिलने से आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन आप उसे पूरी लगन के साथ पूरा करने में सफल रहेंगे। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा और रिश्तों में अपनापन बढ़ेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें और अपने स्वास्थ्य के प्रति भी लापरवाही न करें। बाहर के भोजन से दूरी रखना बेहतर रहेगा

वृश्चिक

आज आपका आत्मविश्वास आपको कई महत्वपूर्ण कामों में आगे बढ़ाएगा। बिजली विभाग से जुड़े कर्मचारियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा, जबकि व्यापार करने वाली महिलाओं को कारोबार में प्रगति के नए अवसर मिल सकते हैं। प्रेम संबंधों में चल रही गलतफहमियां दूर होंगी और एक-दूसरे की भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने का मौका मिलेगा। रिश्ते में फिर से अपनापन और प्यार बढ़ेगा। कान से जुड़ी किसी परेशानी को लेकर विशेषज्ञ से सलाह लेने के लिए भी दिन उचित रहेगा।

धनु

आज परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण बना रहेगा। दोस्तों के साथ कहीं घूमने, विशेषकर किसी खूबसूरत हिल स्टेशन की यात्रा की योजना बन सकती है। बड़े-बुजुर्गों की सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होगी और आपके व्यवहार से वे प्रसन्न रहेंगे। नए भवन के निर्माण को लेकर भाइयों के साथ महत्वपूर्ण बातचीत हो सकती है। दांपत्य जीवन में भी नई खुशियां दस्तक देंगी और जीवनसाथी के साथ रिश्ते में उत्साह तथा अपनापन बढ़ेगा।

मकर

आज आपकी तरक्की देखकर परिवार के लोग गर्व और खुशी महसूस करेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और नौकरीपेशा लोगों के लिए आय बढ़ने के अवसर बन सकते हैं। निजी कंपनियों में काम करने वालों को पदोन्नति की अच्छी संभावना मिल सकती है। बच्चों के साथ बाहर डिनर करने से घर का माहौल खुशनुमा होगा और उनके चेहरे पर मुस्कान देखकर आपको भी खुशी मिलेगी। आपकी योजनाएं धीरे-धीरे आकार लेंगी और जीवनसाथी का सहयोग हर कदम पर मिलता रहेगा। खान-पान को लेकर थोड़ी सावधानी रखें

कुंभ

आज परिस्थितियां काफी हद तक आपके पक्ष में रहेंगी। राजनीति से जुड़े लोगों को किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय पर पहुंचने से पहले सभी पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना चाहिए। अविवाहित लोगों के लिए चल रही रिश्ते की बातचीत आगे बढ़ सकती है और बात पक्की होने की संभावना बन सकती है। निर्माण कार्य से जुड़े कारोबारियों का कोई लंबित प्रोजेक्ट पूरा होने की ओर बढ़ेगा। नए काम में निवेश के अवसर मिल सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में किसी अच्छे संस्थान में दाखिला मिलने की खुशी भी मिल सकती है और जीवनसाथी का सहयोग आपका मनोबल बढ़ाएगा

मीन

आज का दिन आपको मानसिक रूप से संतोष और खुशी देने वाला रहेगा। कामकाजी माता-पिता बच्चों के लिए समय निकाल पाएंगे और उनके साथ खेलकर खूबसूरत पल बिताएंगे। गायन से जुड़े लोगों को किसी बड़े प्रोजेक्ट या एल्बम में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकता है। ऑफिस का जरूरी काम समय पर पूरा कर लेने से तनाव काफी कम रहेगा। हालांकि जल्दबाजी में जरूरी सामान भूलने की संभावना है, इसलिए काम से निकलते समय अपनी चीजों पर ध्यान दें। दिन के अंत में आप खुद को बेहतर महसूस करेंगे और धार्मिक यात्रा की योजना भी बन सकती है।

Aaj Ka Love Rashifal

सिंह और कन्या राशि वालों पर रहेगा प्यार का रंग, पार्टनर को लेकर जानें क्या होगा खास

23 सितंबर 2026 का दिन प्रेम और रिश्तों के मामले में कई राशियों के लिए नए अनुभव और भावनात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। आज का लव राशिफल आपको संकेत देता है कि प्रेम जीवन में किन बातों पर ध्यान देना जरूरी होगा और पार्टनर के साथ आपका तालमेल कैसा रह सकता है। सितारों की स्थिति के आधार पर कुछ लोगों के रिश्तों में नजदीकियां बढ़ सकती हैं, जबकि कुछ लोगों को बातचीत और आपसी समझ को बेहतर बनाने की जरूरत महसूस हो सकती है।

अगर आप किसी रिश्ते में हैं, तो आज अपने पार्टनर की भावनाओं को समझने और खुलकर संवाद करने का दिन हो सकता है। छोटी-सी गलतफहमी को नजरअंदाज करने के बजाय प्यार और धैर्य से बात करना रिश्ते को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। वहीं, जो लोग सिंगल हैं, उनके लिए भी आज नए व्यक्ति से बातचीत शुरू होने या किसी खास व्यक्ति के प्रति अपनी भावनाओं को समझने के संकेत मिल सकते हैं। जानिए आज आपकी राशि के सितारे क्या कहते हैं और प्रेम जीवन में किन बातों का ध्यान रखना आपके लिए उपयोगी रहेगा।

मंगल नक्षत्र गोचर: 24 सितंबर से इन 4 राशियों की चमकेगी किस्मत, धन लाभ और करियर में तरक्की के संकेत

24 सितंबर 2026 को मंगल पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और यहां 17 अक्तूबर 2026 तक रहेंगे। मंगल का यह नक्षत्र परिवर्तन कई राशियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आइए जानते हैं मंगल का पुष्य नक्षत्र गोचर किन राशियों के लिए शुभ माना जा रहा है।

ज्योतिषीय गणना के अनुसार मंगल देव इस समय पुनर्वसु नक्षत्र में स्थित हैं।

24 सितंबर 2026 को मंगल पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और यहां 17 अक्तूबर 2026 तक रहेंगे। मंगल का यह नक्षत्र परिवर्तन कई राशियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस दौरान कुछ जातकों को आर्थिक मामलों में राहत मिल सकती है, जबकि नौकरी और कारोबार से जुड़े लोगों के लिए भी नए अवसर बन सकते हैं। लंबे समय से रुके काम आगे बढ़ने और परेशानियों से राहत मिलने के योग बन सकते हैं। आइए जानते हैं मंगल का पुष्य नक्षत्र गोचर किन राशियों के लिए शुभ माना जा रहा है।

राहु-चंद्रमा युति: कुंभ राशि में बनेगा ग्रहण योग, इन राशियों को धन हानि के संकेत और रहना होगा संभलकर

23 सितंबर को चंद्रमा-राहु की युति कुंभ राशि में बनेगी जिससे ग्रहण योग का निर्माण होगा। इस योग के चलते कई राशि वालों को सतर्क रहना होगा।

Grahan Yog: ज्योतिष में समय-समय पर ग्रहों की युति के चलते कई तरह के शुभ-अशुभ योगों का निर्माण होता है। ज्योतिष में राहु-चंद्रमा की युति से ग्रहण योग बनता है जिस अशुभ योग माना जाता है। आपको बता दें चंद्रमा 23 सितंबर शनि के स्वामित्व वाली राशि कुंभ में गोचर करेंगे, जहां पर पहले से राहु ग्रह भी विराजमान हैं। राहु-चंद्रमा की युति ग्रहण योग बनेगा। कुंभ राशि में ग्रहण योग के चलते कई राशि के जीवन में आर्थिक और करियर में नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है। आइए जानते हैं 23 सितंबर से लगने वाला ग्रहण योग से किन-किन राशि वालों को सावधान रहना होगा।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए आने वाले कुछ दिनों में सावधान रहने की जरूरत है। चंद्रमा आपकी राशि से अष्टम भाव में होकर राहु के साथ मिलकर ग्रहण योग बनाएंगे। जिसके चलते आपके खर्चों में अचानक से बढ़ोतरी हो सकती है। आपकी छवि पर नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। आने वाले कुछ दिनों में आपको करियर पर विशेष ध्यान रखना होगा नहीं तो आपकी मुसीबतें बढ़ सकती हैं।

कन्या राशि

कन्या राशि वालों के लिए राहु-चंद्रमा की युति से बना ग्रहण योग आपकी राशि से छठे भाव में बनेगा। कुंडली का छठा भाव शत्रु, रोग और बाधाओं का होता है। ऐसे में ग्रहण योग के बनने पर आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा। कार्यक्षेत्र में आपको थोड़ी फूंकफूंक कदम रखना होगा। आर्थिक मामलों को लेकर आपको थोड़ी सतर्कता बरतनी होगी। लेनदेन से संबंधित मामलों में आपको किसी दूसरे पर भरोसा करने से बचना होगा।

मीन राशि

मीन राशि वालों पर भी ग्रहण योग का नकारात्मक प्रभाव रहेगा। यह योग आपकी राशि से द्वादश भाव में बनेगा जोकि धन हानि का भाव कहा जाता है। ऐसे में ग्रहण योग के चलते आपको करियर और आर्थिक मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही करने से बचना होगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपने कार्यों पर ज्यादा ध्यान रखना होगा। नहीं तो परेशानियां आपका पीछा नहीं छोड़ेगी।

भारत के खिलाफ T20 सीरीज: न्यूजीलैंड की 16 सदस्यीय टीम घोषित

सैंटनर संभालेंगे कमान किसकी हुई वापसी कौन बाहर?

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। मिशेल सेंटनर टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि एडम मिल्न और माइकल ब्रेसवेल की वापसी हुई है। रचिन रवींद्र कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। फिन एलन और टिम सीफर्ट की सलामी जोड़ी भी फिर साथ दिखेगी। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। व्हाइट-बॉल कप्तान मिचेल सैंटनर टीम की अगुआई करेंगे। सीरीज का पहला मुकाबला 22 अक्तूबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज 11 दिनों में चार शहरों में खेली जाएगी। यह भारत के न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा है, जिसमें पांच वनडे और दो टेस्ट भी शामिल हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, दौरे के लिए अब तक 76 हजार से अधिक टिकट बिक चुके हैं।

इस साल टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ फाइनल खेलने वाली न्यूजीलैंड की टीम के 13 खिलाड़ियों को आगामी सीरीज के लिए चुना गया है। चोट के कारण विश्व कप से बाहर रहे माइकल ब्रेसवेल और तेज गेंदबाज एडम मिल्ने की टीम में वापसी हुई है। 34 वर्षीय मिल्ने ने अब तक 243 टी20 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 56 अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं। वह एक साल से अधिक समय बाद न्यूजीलैंड की टीम में लौटे हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में उनके अलावा लोकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जेमीसन और जैकब डफी जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं। जाक फाउल्क्स और नाथन स्मिथ युवा तेज गेंदबाजों के रूप में टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर रचिन रवींद्र दाएं कंधे के खिसकने के कारण टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। पिछले सप्ताह एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान उन्हें चोट लगी थी। उनके करीब छह सप्ताह में रिहैबिलिटेशन पूरा करने की उम्मीद है और वह चार नवंबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज में वापसी का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले फिन एलन और टिम सीफर्ट एक बार फिर न्यूजीलैंड के लिए पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। दोनों पहली बार टी20 विश्व कप के बाद एक साथ शीर्ष क्रम में उतरेंगे। एलन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में सिर्फ 33 गेंदों पर नाबाद शतक लगाया था। वहीं, सीफर्ट ने 33 गेंदों पर 58 रन बनाए थे और न्यूजीलैंड ने यह मुकाबला नौ विकेट से जीता था।

एशियाड: पुरुष क्रिकेट में कौन सी टीमें होंगी शामिल

भारत-पाकिस्तान में होगा मैच? सात प्वाइंट में जानें सबकुछ

एशियन गेम्स में अब पुरुष क्रिकेट स्पर्धा शुरू होने को है। भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की अगुआई में इसमें हिस्सा लेने उतरेगी। कुल आठ टीमें इसमें हिस्सा लेंगी और भारत अपने अभियान की शुरुआत क्वार्टर फाइनल से करेगा। एशियन गेम्स की क्रिकेट स्पर्धा में भारत की बेटियों ने झंडा गाड़ा और लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अब बारी पुरुष टीम की है जो एशियाड में अपना स्वर्ण बचाने के इरादे से उतरेगी। महिलाओं की तरह भारत की पुरुष टीम भी काफी मजबूत है और स्वर्ण पदक जीतने की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। आइए जानते हैं एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट स्पर्धा कब से शुरू होगी, कौन-कौन सी टीमें इसमें हिस्सा लेंगी और इसका प्रारूप क्या होगा. एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट स्पर्धा की शुरुआत 24 सितंबर से होगी। पहले मैच में मेजबान जापान का सामना अफगानिस्तान से होगा। एशियन गेम्स में चौथी बार क्रिकेट को शामिल किया गया है। भारत ने पिछली बार हांग्झू एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था और अब उसकी नजरें लगातार दूसरा स्वर्ण जीतने पर होंगी। एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट मैच भी महिलाओं की तरह टी20 प्रारूप में ही खेले जाएंगे। सबसे निचली रैंकिंग वाली छह टीमों को दो-दो के ग्रुप में बांटा गया है। तीन-तीन टीमों वाले दोनों ग्रुप में सभी टीमें एक-दूसरे से एक बार खेलेंगी। यह मुकाबले 24 से 26 सितंबर के बीच खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। बाकी चार फुल मेंबर देशों को उनकी आईसीसी रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। 28 सितंबर से शुरू होने वाले नॉकआउट चरण में उनका सामना ग्रुप चरण से आगे बढ़ी चार टीमों से होगा। इसके बाद सेमीफाइनल, फाइनल और कांस्य पदक प्लेऑफ मैच खेले जाएंगे। फाइनल और तीसरे स्थान का मुकाबला तीन अक्तूबर को होगा। भारत के वैभव सूर्यवंशी और जसप्रीत बुमराह इस टूर्नामेंट के सबसे बड़े आकर्षण होंगे। हालांकि, वैभव प्लेइंग-11 में शामिल होंगे या नहीं, इसे लेकर संशय है क्योंकि भारत ने अब तक अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को मौका दिया हैबांग्लादेश की कप्तानी लिटन दास के हाथों में होगी, जबकि पाकिस्तान के लिए सइम अयूब की वापसी भी चर्चा में है। वहीं, नेपाल के अनुभवी लेग स्पिनर संदीप लामिछाने अपनी टीम के गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे।

वैभव सूर्यवंशी: भारत की युवा सनसनी को श्रीलंका के इस पूर्व कप्तान ने सराहा भारतीय क्रिकेट का भविष्य बताया

श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या ने भारतीय बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को जमकर सराहा है। जयसूर्या ने वैभव को भारतीय क्रिकेट का भविष्य बताया है। श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनत जयसूर्या ने भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ करते हुए रविवार को उन्हें अलग तरह की प्रतिभा करार दिया। उन्होंने कहा कि इस किशोर खिलाड़ी को भारतीय प्लेइंग-11 में शामिल करने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। सूर्यवंशी हाल में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन टीम प्रबंधन ने पारी की शुरुआत के लिए नियमित जोड़ी संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा पर ही भरोसा कायम रखा। 1996 विश्व कप में श्रीलंका के स्टार प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल रहे जयसूर्या ने कहा, वैभव अलग तरह की प्रतिभा है। मुझे लगता है कि वह भारत का भविष्य हैं। उनके पास काफी समय है। इसलिए उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने का मौका दीजिए और वह जरूर अच्छा करेंगे। सूर्यवंशी में मिले मौकों को भुनाने की पूरी क्षमता है।मौके मिलेंगे। वह किस स्थान पर खेलेंगे, यह मैं नहीं कह सकता, यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है। लेकिन जब उन्हें मौका मिलेगा, वह उसे जरूर भुनाएंगे। इसलिए इंतजार करते हैं और देखते हैं।

हार्दिक का बैकअप कौन: जडेजा की वापसी कितनी लंबी शमी और भुवी का क्या होगा? भारत के स्क्वॉड से मिले बड़े संकेत

भारतीय क्रिकेट टीम अगले एक महीने से ज्यादा समय में छह अलग-अलग सीरीज और टूर्नामेंट में मैदान पर उतरेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे-टी20 सीरीज, एशियन गेम्स, ईरानी कप और ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबलों के लिए चुने गए स्क्वॉड से जडेजा की भूमिका, हार्दिक के बैकअप, नीतीश रेड्डी की प्राथमिकता और शमी-भुवनेश्वर के भविष्य को लेकर कई संकेत मिले हैं। भारतीय क्रिकेट का व्यस्त कार्यक्रम अगले एक महीने से ज्यादा समय तक जारी रहने वाला है। भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज खेलनी है। इसी दौरान एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम हिस्सा लेगी। इसके अलावा ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया और ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ इंडिया ए के मुकाबले भी होंगे। इन अलग-अलग प्रतियोगिताओं के लिए चुने गए स्क्वॉड पर नजर डालें तो भारतीय टीम प्रबंधन की भविष्य की योजनाओं के कई संकेत मिलते हैं। सबसे अहम सवाल रविंद्र जडेजा की वनडे टीम में वापसी, हार्दिक पांड्या के बैकअप के रूप में नीतीश कुमार रेड्डी की भूमिका, नमन धीर और औकिब नबी जैसे खिलाड़ियों को मौका देने और मोहम्मद शमी तथा भुवनेश्वर कुमार के भविष्य से जुड़े हैं। 27 सितंबर से तीन अक्तूबर तक होने वाली वनडे सीरीज के लिए शुभमन गिल को कप्तान और केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है। भारत की वनडे टीम: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान और विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, नीतीश कुमार रेड्डी, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी, यशस्वी जायसवाल, नमन धीर।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

आईपीएल 2027: जहीर खान को मुख्य कोच बनाने में धोनी की रही अहम भूमिका सीएसके के प्रबंध निदेशक काशी का खुलासा

आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने जहीर खान को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। अब सीएसके के प्रबंध निदेशक काशी विश्वनाथन ने बताया कि इस फैसले के पीछे महेंद्र सिंह धोनी की भी भूमिका थी। पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान को आईपीएल 2027 के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया है। टीम के प्रबंध निदेशक काशी विश्वनाथन ने बताया कि इस फैसले में दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी भी सक्रिय रूप से शामिल थे। 47 वर्षीय जहीर खान ने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग की जगह ली है, जो 18 साल तक टीम के साथ रहने के बाद अलग हो गए थे। धोनी के अलावा, सीएसके के क्रिकेट मैनेजमेंट में रूपा गुरुनाथ और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी इस फैसले में शामिल थे।

जहीर के अनुभव के कारण मिली जिम्मेदारी

सीएसके के आधिकारिक बयान में जहीर की नियुक्ति का जिक्र है, लेकिन इसमें कई साल के करार का कोई उल्लेख नहीं है, जिससे पता चलता है कि यह शुरुआत में एक साल का कार्यकाल होगा। विश्वनाथन ने कहा, असल में यह फैसला टीम प्रबंधन ने लिया था। वे जहीर खान के अनुभव को देखते हुए उन्हें मुख्य कोच बनाना चाहते थे। उन्होंने आईपीएल में 100 से ज्यादा मैच खेले हैं और वे एक ऑलराउंड खिलाड़ी रहे हैं। इसलिए, उन्हें लगा कि वे टीम के लिए एक अच्छा विकल्प होंगे और हमने क्रिकेट मैनेजमेंट की बात मानी। निश्चित रूप से, जब यह फैसला लिया गया तो धोनी भी इसमें शामिल थे। उनकी सलाह के बिना हम कोई काम नहीं करते। धोनी फिटनेस की समस्याओं के कारण आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। जब विश्वनाथन से एक खिलाड़ी के तौर पर धोनी के भविष्य के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'देखिए, असल में वे हमारे लिए अभी भी एक खिलाड़ी हैं। मैं बस इतना ही कह सकता हूं।' विश्वनाथन ने पुष्टि की है कि वनडे विश्व कप 2011 की विजेता टीम का हिस्सा रहे जहीर को अपना बैकरूम स्टाफ चुनने की पूरी आजादी होगी। अभी सीएसके के सपोर्ट स्टाफ में माइक हसी, श्रीधरन श्रीराम, राजीव कुमार, एरिक सिमंस और जेम्स फॉस्टर शामिल हैं। उन्होंने कहा,सपोर्ट स्टाफ का फैसला वही करेंगे।

आईपीएल करियर में 100 मुकाबले खेल चुके जहीर खान ने 2018 से 2022 तक मुंबई इंडियंस के लिए डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट ऑपरेशन्स और हेड ऑफ ग्लोबल डेवलपमेंट के तौर पर काम किया था। इसके बाद आईपीएल 2025 में वह लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ मेंटोर की भूमिका निभाएंगे। यह पहली बार होगा जब जहीर किसी क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बनेंगे। जहीर बेल्जियम में यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में एंटवर्प एंकर्स, श्रीलंका में लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में जाफना किंग्स और कनाडा में सुपर60 लीग में वैंकूवर एंकर्स के सह-मालिक भी हैं। 47 वर्षीय जहीर खान ने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग की जगह ली है, जो 18 साल तक टीम के साथ रहने के बाद अलग हो गए थे। धोनी के अलावा, सीएसके के क्रिकेट मैनेजमेंट में रूपा गुरुनाथ और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी इस फैसले में शामिल थे। सीएसके के आधिकारिक बयान में जहीर की नियुक्ति का जिक्र है, लेकिन इसमें कई साल के करार का कोई उल्लेख नहीं है, जिससे पता चलता है कि यह शुरुआत में एक साल का कार्यकाल होगा। विश्वनाथन ने कहा, असल में यह फैसला टीम प्रबंधन ने लिया था। वे जहीर खान के अनुभव को देखते हुए उन्हें मुख्य कोच बनाना चाहते थे।

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300